जबलपुर शुक्रवार 10 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी

वर्ष 32 अंक 15 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 31.2°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C
सूर्योदय - 5.32 | सूर्यास्त - 7.00

निरंजन ठाकुर ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी ... ▸▸ 5

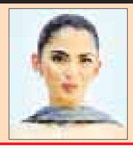

पेरिस फैशन वीक में छाईं ईशा अंबानी, भारतीय ... ▸▸ 7

सीसीटीवी कैमरों की मदद से छूटा हुआ लैपटॉप... ▸▸ 9

ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम को भारत में आयात करने का रास्ता खुला

नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को ऊर्जा सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम का शांति उद्देश्यों के लिए भारत में आयात करने का रास्ता खुल गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह अहम समझौता भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूत करेगा और ऊर्जा क्षेत्र में आपसी सहयोग को और गहरा करेगा। एनुअल लीडर्स समिट में ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज के साथ इस समझौते का ऐलान करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश ने न्यूक्लियर क्षेत्र में एक अहम समझौते को पूरा किया है। पीएम मोदी ने कहा, आज हमने न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में एक अहम समझौता किया है। इससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का रास्ता खुलेगा और हमारे स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्यों को नई मजबूती मिलेगी। संयुक्त बयान के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया और भारत ने ऑस्ट्रेलिया-भारत परमाणु सहयोग समझौता (2015) के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम के निर्यात के लिए जरूरी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। यूरेनियम का निर्यात सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए होगा और यह इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के सुरक्षा नियमों के दायरे में होगा। इसके अलावा, दोनों देशों ने पश्चिम एशिया के हालात और ग्लोबल एनर्जी सप्लाई चेन व कमोडिटी की कीमतों पर इसके असर को लेकर चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने खुले बाजार और नियमों पर आधारित व्यापार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों देशों के बीच हुआ ऐतिहासिक ऊर्जा समझौता

बिना रुकावट जारी रहेगी एनर्जी की सप्लाई

भारत को लिक्विफाइड नेचुरल गैस आपूर्ति करने में ऑस्ट्रेलिया की अहम भूमिका और ऑस्ट्रेलिया को लिक्विड फ्यूल व डाउनस्ट्रीम पेट्रोलियम प्रोडक्ट सप्लाई करने में भारत की अहम भूमिका को मानते हुए, दोनों पक्षों ने एनर्जी की सप्लाई को बिना रुकावट जारी रखने और दोनों देशों के बीच एनर्जी व्यापार व निवेश को बढ़ाने का संकल्प लिया।

एनर्जी सप्लाई चेन मजबूत करने का संकल्प

इसके अलावा, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करके, ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव की गति बढ़ाकर, रिन्यूएबल एनर्जी और कम-कार्बन वाले ईंधन को बढ़ावा देकर और पूरी एनर्जी वैल्यू चेन में ज्यादा निवेश को प्रोत्साहित करके एनर्जी सप्लाई चेन को और मजबूत करने का संकल्प लिया। व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया, जीवंत लोकतंत्र और महत्वपूर्ण इंडो-पैसिफिक साझेदार होने के नाते, एक जैसी सोच और गहरे आपसी भरोसे को साझा करते हैं।

राउत को पवार पर भी डाउट!

एकनाथ शिंदे के ऑफिस में पार्टी मीटिंग करने पर भड़के

"महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों शह-मात का खेल चरम पर है। महाविकास आघाड़ी के वरिष्ठतम सूत्रधार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार द्वारा बुधवार को विधान भवन परिसर में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की गई मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस शिष्टाचार और आधिकारिक बैठक को लेकर शिवसेना (ठाकरे गुट) के फायरब्रांड नेता और सांसद संजय राउत ने शरद पवार पर बेहद तीखा और सीधा हमला बोला है। राउत ने कहा कि शरद पवार जैसे कद्दावर नेता का उन लोगों के दफ्तर में जाकर बैठक करना, जिन्होंने पीठ में छुरा घोंपा, महाविकास आघाड़ी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शरद पवार कभी एनडीए में शामिल नहीं होंगे।"

मुंबई

एनसीपी फाउंडर शरद पवार मीटिंग के लिए विधान भवन गए थे। उस समय उन्होंने डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के ऑफिस में अपनी पार्टी की मीटिंग की थी। एकनाथ शिंदे भी कैबिनेट मीटिंग छोड़कर शरद पवार के स्वागत के लिए कैबिन में आ गए थे। अब इस बारे में बोलते हुए ठाकरे ग्रुप के सांसद संजय राउत ने कड़ी नाराजगी जताई। संजय राउत ने कहा, शरद पवार गद्दार नेताओं को इज्जत दे रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार एक बड़े नेता हैं। लेकिन एकनाथ शिंदे, जिन्होंने महाराष्ट्र को करप्शन और धोखे के कीड़े से इंफेक्टेड कर दिया है, उनके कैबिन में मीटिंग करना ठीक नहीं है। क्या पूरा विधान भवन खाली नहीं था? विधान भवन एरिया के सामने एक राष्ट्रवादी भवन और एक शिवसेना भवन है। इससे राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी की क्रेडिबिलिटी कम होती है। संजय राउत ने कहा, अगर हम अजित पवार के हॉल में जाकर मीटिंग करते, तो इसका मतलब होता कि हम एमवीए के खिलाफ गए। इसलिए, एमवीए के घटक दलों को नियमों का पालन करना चाहिए। संजय राउत ने यह सवाल उठाया कि शरद पवार जैसे सीनियर नेता का मुख्यमंत्री से मिलना कुछ भी गलत नहीं है।

शिवसेना को नुकसान हो रहा

कल विधान भवन में एक मीटिंग थी, जिसके लिए शरद पवार आए थे। यह मीटिंग महाराष्ट्र-कर्नाटक बॉर्डर मुद्दे पर थी। उस मीटिंग में क्या हुआ, यह सामने नहीं आया है। मुझे बताएं कि मुख्यमंत्री ने इस मीटिंग के लिए कितने बड़े नेताओं को बुलाया था। शिवसेना इस आंदोलन में एक अहम हिस्सा रही है। मुख्यमंत्री को क्या पता कि बॉर्डर इलाके में मराठी लोग किस तकलीफ से गुजर रहे हैं, यह केस कितने सालों से पेंडिंग है। संजय राउत ने साफ कहा कि शरद पवार को क्या करना चाहिए, यह उनकी पार्टी का सवाल है। लेकिन आप एकनाथ शिंदे के हॉल में आकर अपनी पार्टी की मीटिंग करते हैं, इस हरकत से शिवसेना को नुकसान हो रहा है।

गद्दारों को इज्जत दे रहे

उन्होंने बताया कि मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि शरद पवार एनडीए के साथ नहीं जाएंगे। मुझे उनकी आइडियोलॉजी पर शक करने की कोई वजह नहीं है। लेकिन शरद पवार ने कल जो किया, उससे शिवसेना दुखी है। इसकी कोई जरूरत नहीं थी। संजय राउत ने कहा कि आप महाराष्ट्र को क्या दिखा रहे हैं, आप गद्दारों को इज्जत दे रहे हैं। अगर आप गद्दारों को इज्जत देना चाहते हैं, तो आपको अपनी पार्टी में हुए धोखे के बारे में बात करने का कोई हक नहीं है। उन गद्दारों के खिलाफ कोर्ट जाकर लड़ने की क्या जरूरत है? क्या एकनाथ शिंदे यशवंतराव चव्हाण हैं या शंकरराव चव्हाण, क्या वे वसंतदादा पाटिल हैं, क्या वे वसंतराव नाइक हैं या वे विलासराव देशमुख हैं?

चर्चाओं को अफवाह बताया

शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें जोरों पर हैं। हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन सभी चर्चाओं को अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक, शरद की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के फेवर में नहीं हैं। कुछ नेताओं ने इस पर असहमति जताई है। पोता रोहित पवार इस फैसले के खिलाफ हैं। शरद गुट के नेता जयंत पाटिल ने कहा कि पवार की उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें लंबी दूरी तक पैदल चलाना उचित नहीं था। डिप्टी सीएम शिंदे का कमरा विधान भवन से निकलने वाले दरवाजे के बिल्कुल नजदीक है, इसलिए सुविधा के लिहाज से वहीं बैठक करने का निर्णय लिया गया।

राजेंद्र भारती की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश के अयोग्य घोषित कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उन्होंने धोखाधड़ी के मामले में अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग की है। यदि उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगती है तो उनकी विधानसभा सदस्यता खत्म करने का आधार भी समाप्त हो सकता है। जस्टिस मनोज जैन ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

यूसीसी लागू करने की तैयारी में महाराष्ट्र

मुंबई। महाराष्ट्र में भी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की तैयारी हो गई है। राज्य सरकार ने गुरुवार को इसके लिए 7 सदस्यों वाली एक कमेटी बनाने का एलान किया। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना देसाई करेंगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आरसी चव्हाण और एस जी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं। कमेटी 6 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। फडणवीस ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस कानून को पेश करने की कोशिश की जाएगी।

कॉकरोच जनता पार्टी का 20 जुलाई को संसद मार्च

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि वह 20 जुलाई को मॉनसून सत्र के पहले दिन संसद तक शांतिपूर्ण मार्च करेगी। इस मार्च में शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल होंगे, जो 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। यह ऐलान तब किया गया, जब गुरुवार को भारी बारिश के बीच जंतर-मंतर पर उनका विरोध प्रदर्शन 20वें दिन में प्रवेश कर गया। यह संगठन परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पीसीसी चीफ के भाई नाना पटवारी हिरासत में

इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े मामले में पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई बुधवार देर रात दो कथित ड्रग्स पैडलरों की गिरफ्तारी के बाद की पूछताछ के आधार पर की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान नाना पटवारी से संबंध होने की बात कही है। वहीं पूछताछ के दौरान नाना ने भी आरोपितों को जानने की बात स्वीकार की है। हालांकि, पुलिस फिलहाल यह पता लगाने में जुटी है कि उनका संबंध केवल परिचय तक सीमित था या ड्रग्स नेटवर्क से कोई अन्य कड़ी भी जुड़ी हुई है।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड परियोजना से लाभान्वित होगी 35 लाख आबादी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सड़क अधोसंरचना विकास में 10 जुलाई को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। इस दिन उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग परियोजना का भूमि पूजन होगा। लगभग 98.73 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण 5,017 करोड़ रुपये की लागत से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह परियोजना उज्जैन दक्षिण, घट्टिया, नागदा-खाचरौद, आलोट एवं जावरा विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। दो वर्ष में पूर्ण होने वाली इस परियोजना से लगभग 35 लाख आबादी तथा 62 ग्राम प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग के निर्माण से उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से सीधा एवं तेज संपर्क मिलेगा। विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान, गुजरात तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यह मार्ग अत्यंत सुगम और सुविधाजनक साबित होगा। साथ ही इंदौर, भोपाल एवं मालवा क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी और अधिक सुदृढ़ होगी। परियोजना के अंतर्गत 98.73 किलोमीटर ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग, 3 रेल ओवरब्रिज, 9 वृहद पुल, 26 मध्यम पुल तथा 417 पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जावरा बायपास पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे इंटरचेंज से महू-नीमच फोरलेन मार्ग तक दोनों ओर सर्विस रोड का भी निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक एवं कृषि विकास को नई गति प्रदान करेगी। किसानों को अपनी उपज विभिन्न कृषि उपज मंडियों तक शीघ्र पहुँचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं उद्योगों, लॉजिस्टिक्स एवं निवेश गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री करेंगे 5,017 करोड़ रुपये की 98.73 किलोमीटर लंबी परियोजना का भूमि पूजन

'कौन माई का लाल कमीशन नहीं खाता'

सतना। मध्यप्रदेश के सतना में वित्तीय अनियमितताओं समेत कई शिकायतों के बाद निलंबित किए गए मझगवां जनपद पंचायत के संविदा उपयंत्री सतीश समेले गुरुवार को पहली बार मीडिया के सामने आए। उन्होंने दावा किया कि जनपद पंचायत से लेकर भोपाल तक कमीशन का सिस्टम चलता है। समेले ने कहा कि उनके पास ऑडियो, वीडियो और अन्य प्रमाण हैं, जिन्हें वह हाईकोर्ट में पेश करेंगे। समेले ने कहा, कौन माई का लाल है जो कमीशन का पैसा नहीं लेता। अगर कोई नहीं लेता तो हनुमान जी के सामने अपने बेटे की कसम खाए, तब मैं मान जाऊंगा। उनका दावा है कि निर्माण कार्यों में नीचे से लेकर ऊपर तक अलग-अलग स्तर पर कमीशन तय रहता है। उन्होंने अपने ऊपर लगे कमीशन लेने के आरोपों को भी निराधार बताया। उनका कहना है कि ईएमएफ, ग्रांट और अन्य मद के कार्यों में 10 से 15 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता है। उपयोगिता प्रमाण पत्र से लेकर भुगतान तक कई स्तरों पर पैसा देना पड़ता है।

निलंबित अफसर बोला- हाईकोर्ट में दूंगा सबूत

किसका कितना कमीशन

ग्राम सरपंच -	10%
पंचायत सचिव -	5%
रोजगार सहायक -	3%
सब इंजीनियर -	5%
सहायक यंत्री -	2%
जनपद सीईओ -	2-3%

30 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

भोपाल (स्वतंत्र मत)। लोकायुक्त पुलिस भोपाल ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए विदिशा जिले के नटेरन तहसील में पदस्थ पटवारी को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी पारिवारिक जमीन के बंटवारा, नामांतरण और फौती प्रकरण में कार्रवाई करने के एवज में रिश्वत मांग रहा था। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, विदिशा के काठी मोहल्ला निवासी प्रमेन्द्र धाकड़ ने 6 जुलाई को लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि नटेरन तहसील में पदस्थ पटवारी संदीप यादव पारिवारिक भूमि के बंटवारा, नामांतरण और फौती संबंधी प्रकरण में कार्रवाई करने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने ट्रैप कार्रवाई कर आरोपी को उसके निजी कार्यालय से पकड़ लिया।

रहस्यमय ढंग से लापता हो गई बाघिन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। मगधी पर्यटन जोन में वैज्ञानिक निगरानी के लिए रेडियो कॉलर पहनाकर छोड़ी गई एक बाघिन पिछले एक सप्ताह से ट्रैकिंग सिस्टम से पूरी तरह ओझल है। न तो उसके रेडियो कॉलर से कोई सिग्नल मिल रहा है और न ही सैटेलाइट के जरिए उसकी लोकेशन का पता चल पा रहा है। इससे वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, अगस्त 2025 में बाघिन को उसकी गतिविधियों की निगरानी और शोध कार्य के उद्देश्य से रेडियो कॉलर लगाया गया था। सामान्य परिस्थितियों में कॉलर नियमित अंतराल पर उसकी लोकेशन का सिग्नल भेजता है, जिससे वन विभाग उसकी आवाजाही और व्यवहार पर नजर रखता है। लेकिन पिछले सात दिनों से ट्रैकिंग सिस्टम पूरी तरह खामोश है। बाघिन की तलाश के लिए वन विभाग के अधिकारी और वनकर्मियों की टीमें लगातार जंगल में सर्च अभियान चला रही हैं। विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि कहीं रेडियो कॉलर में तकनीकी खराबी तो नहीं आ गई या फिर बाघिन अपने सामान्य क्षेत्र से निकलकर किसी दूसरे वन क्षेत्र में चली गई है।

पहली बार भारत में लांच हुई बेसल इंसुलिन

अब डायबिटीज पेशेंट को हफ्ते में एकबार लेना होगा इंसुलिन इंजेक्शन

नई दिल्ली

डायबिटीज मरीजों के लिए राहत की खबर है। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में अविकली (इंसुलिन आइकोडेक) लांच की। कंपनी का दावा है कि यह हफ्ते में एक बार दिए जाने वाला बेसल इंसुलिन है, जो टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज के वयस्क मरीजों के लिए है। इसके आने से साल में हर दिन लगने वाले इंसुलिन इंजेक्शन घटकर 52 रह जाएंगे। कंपनी के मुताबिक, अविकली का उद्देश्य भारत में इंसुलिन शुरू करने में होने वाली देरी को कम करना है। नोवो नॉर्डिस्क का कहना है कि रोज इंजेक्शन लगाने का डर मरीजों के बीच इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में सबसे बड़ी बाधा है, जिसके कारण औसतन सात से नौ साल की देरी हो जाती है। कंपनी ने 700 यूनिट का पैक 2611 रुपए में लांच किया है। यानी इसकी कीमत 3.73 रुपए प्रति यूनिट पड़ेगी, जो मौजूदा दैनिक बेसल इंसुलिन की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक सस्ती बताई गई है। यदि किसी मरीज को रोज 10 यूनिट इंसुलिन की जरूरत होती है, तो उसे सप्ताह में 70 यूनिट इंसुलिन लगेगी, जिसकी लागत करीब 261 रुपए प्रति सप्ताह होगी। नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रांत श्रोत्रिया ने बताया कि अविकली को फ्लेक्सटच पेन डिवाइस के जरिए सप्ताह में एक बार लगाया जाएगा। इससे इलाज का बोझ कम होगा, मरीजों की दवा लेने की नियमितता बढ़ेगी और इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में होने वाली हिचक भी कम होगी। ऑनवर्ड-1 क्लिनिकल प्रोग्राम के आंकड़ों के अनुसार, अविकली ने रोजाना दी जाने वाली इंसुलिन ग्लार्जिन यू100 की तुलना में एचबीए1सी कम करने और ब्लड शुगर को तय सीमा में रखने के बेहतर परिणाम दिए। कंपनी का दावा है कि टाइप-2 डायबिटीज के अधिक मरीज बिना हाइपोग्लाइसीमिया के एचबीए1सी को 7 प्रतिशत से नीचे लाने में सफल रहे।

यह है कीमत

अविकली की 70 यूनिट इंसुलिन की साप्ताहिक खुराक की कीमत 261 रुपये (2.74 डॉलर) है। यह दो वेरिएंट में उपलब्ध होगा- 1 मिलीलीटर (700 यूनिट) का पेन जिसकी कीमत 2,611 रुपये है, और 3 मिलीलीटर (2,100 यूनिट) का पेन जिसकी कीमत 7,833 रुपए है। बाजार में उपलब्ध दैनिक खुराक वाली बेसल इंसुलिन की 70 यूनिट की कीमत 345 से 453 रुपये है। अविकली अगले सप्ताह भारतीय बाजार में लांच की जाएगी।

भारत में 10 करोड़ लोग पीड़ित

भारत में 10.1 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की स्थिति में हैं। देश में 9 लाख से अधिक लोग टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित हैं, जिनके इलाज का मुख्य आधार इंसुलिन है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज के लगभग 10 प्रतिशत मरीजों को भी इंसुलिन थेरेपी की जरूरत पड़ती है।

4 माह पहले टेंडर प्रक्रिया पूर्ण, फिर भी शुरू नहीं हुआ सड़क निर्माण का काम

नाले में तब्दील हुई जर्जर सड़क, कांग्रेस ने की चकाजाम की तैयारी

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

खितौला बाजार से कृषि उपज मण्डी होते हुए एनएच 30 को जोड़ने वाले मार्ग निर्माण की टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने के चार माह गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ न होने से आहत वार्ड पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के द्वारा दोपहर 12 बजे मण्डी गेट के समीप धरना प्रदर्शन एंव चक्का जाम करेगी।

सरकार से मिली अनेकों विकास की सौगात के बावजूद नगर की सूरत बदलने का नाम नहीं ले रही है। नए विकास एवं निर्माण कराना तो दूर नगरीय विकास विभाग एवं शासन द्वारा पहले से स्वीकृत अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तीन साल से अधर में लटके है। नगर पालिका के रहमो-करम पर पल रहे ठेकेदारों की कार्यप्रणाली के चलते विकास की अनेक सौगात मिलने के बाद भी नगरवासियों को विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। लोगों की शिकायत है कि तीन इंजन होने के बाद भी नगर पालिका के जिम्मेदार गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जिससे नगरवासियों को गांव से भी बदतर हालात से दो चार होना पड़ रहा है।

क्या है मामला

उप नगर खितौला के मुख्य बाजार से मण्डी होते हुए एन एच 30 को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग में गन्दे पानी की निकासी ना होने के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जगह जगह गड्ढों में गंदा पानी भरा रहता है गंदगी एंव गड्ढों में तब्दील मार्ग के कारण स्थानीय लोग नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं।स्थानीय लोगों की मांग एंव आंदोलन के बाद उक्त मार्ग के निर्माण की सौगात तो मिली लेकिन टेण्डर के चार माह से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरु नहीं हो सका।

बरसात में सड़क बन जाती है नाला

नगरपालिका प्रशासन नगर के विकास और जन समस्याओं के निराकरण प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। न तो परिषद की बैठकों में पारित किए गए निर्णयो पर अमल हो रहा है और न ही पहले से मंजूर काम गति पकड़ रहे हैं ।गन्दे एंव बरसाती पानी की निकासी न होने के कारण पूरी सड़क नाला का रुप अख्तियार कर लेती है जिसके कारण नगर के एक मात्र सी बी एस ई स्कूल में अध्यनरत छात्र छात्राओं को पैदल चलने के अलावा कृषि उपज मण्डी जाने वाले वाहनों तथा रेल्वे स्टेशन से एन एच 30 तक जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ट्रेन आते ही पटरी पर लेटा युवक रेलवे स्टेशन पर मचा हड़कंप

लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा, जांच में जुटी आरपीएफ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे स्टेशन पर विगत रात एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि टीबी की बीमारी से परेशान एक युवक ने अमरकंटक एक्सप्रेस के सामने पटरी पर लेटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। लोको पायलट की सतर्कता और आरपीएफ की त्वरित कार्यवाही से युवक की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक रायपुर से जबलपुर आ रही गाड़ी संख्या 12854 अमरकंटक एक्सप्रेस जैसे ही रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 पर प्रवेश कर रही थी, तभी एक युवक अचानक मुख्य प्रवेश द्वार के सामने रेलवे ट्रैक पर जाकर लेट गया। प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद लोको पायलट ने ट्रेन को धीमी गति में ही रोक दिया।

इधर घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के आरक्षक चन्द्रेश्वर सिंह मौके पर पहुंचे और तत्काल युवक को ट्रेन के सामने से हटाकर उसकी जान बचाई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम 30 वर्षीय मुकेश मेश्राम पिता भास्कर मेश्राम निवासी आजाद नगर सुभाष वार्ड कटरा थाना अधारताल बताया।

बीमारी से परेशान है युवक

युवक ने आरपीएफ को बताया कि वह लंबे समय से टीबी (क्षय रोग) से पीड़ित है। इलाज में काफी पैसा खर्च होने के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद परेशान था और इसी कारण आत्महत्या करने के उद्देश्य से ट्रेन के सामने आ गया। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ के उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार ने युवक के परिजनों को सूचना दी। कुछ देर बाद उसका भांजा रोहित सोनकर आरपीएफ पोस्ट पहुंचा, जिसके बाद मुकेश को उसके बैग और मोबाइल सहित परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

50 साल पुराना स्वदेशी पावर ट्रांसफार्मर दे रहा निर्बाध बिजली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र के राजगढ़ जिले स्थित सारंगपुर सबस्टेशन में स्थापित 20 एमवीए क्षमता का एक पावर ट्रांसफार्मर आज न केवल विद्युत आपूर्ति का मुख्य केंद्र है, बल्कि तकनीकी उत्कृष्टता और समर्पित रखरखाव की एक मिसाल बन चुका है। एमपी ट्रांसको के इस ट्रांसफार्मर का निर्माण वर्ष 1976 में भारत की सरकारी कंपनी 'न्यू गवर्नमेंट इलेक्ट्रिकल फैक्ट्री' द्वारा किया गया था। पिछले 50 वर्षों से यह उपकरण औद्योगिक, कृषि और घरेलू उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के निरंतर बिजली प्रदान कर रहा है। सामान्य मानकों के अनुसार किसी भी पावर ट्रांसफार्मर की औसत उपयोगी आयु लगभग 25 वर्ष मानी जाती है, लेकिन सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर अपनी निर्धारित अवधि से दोगुनी सेवा दे चुका है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह केवल लोहे, तांबे और तेल से बनी मशीन नहीं, बल्कि संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और उत्कृष्ट रखरखाव का जीवंत उदाहरण है, जो आज भी मालवा क्षेत्र के विकास को नई ऊर्जा दे रहा है। वर्तमान में भी एमपी ट्रांसको के विस्तृत नेटवर्क में एनजीईफ़ द्वारा निर्मित कुल 20 पावर ट्रांसफार्मर पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। इनमें 160 एमवीए का एक, 40 एमवीए के पांच और 20 एमवीए क्षमता के 14 ट्रांसफार्मर शामिल हैं, जो पिछले 30 से 50 वर्षों से सेवा में हैं। सारंगपुर का यह 50 साल पुराना ट्रांसफार्मर सिद्ध करता है कि अगर रखरखाव सही हो, तो स्वदेशी तकनीक समय को भी मात दे सकती है।

छुट्टी पर थे प्राचार्य, पढाई छोड़ अपने-अपने कामों में मशरूफ थे शिक्षक

संयुक्त संचालक ने किया शास. शालाओं का औचक निरीक्षण, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संभाग के नवपदस्थ संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, घनश्याम सोनी के निर्देश पर संभाग के सभी जिलों में शासकीय विद्यालयों का एक साथ सघन एवं औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता तथा शिक्षण व्यवस्था का वास्तविक आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान जिन विद्यालयों में अनियमितताएँ पाई गईं, उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। संयुक्त संचालक श्री सोनी ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों से आते हैं। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य में लापरवाही अथवा कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

परिसर में मची थी गंदगी

संयुक्त संचालक श्री सोनी ने स्वयं कटनी जिले के सांदीपनि विद्यालय स्लीमनाबाद, शासकीय हाई स्कूल छपरा, तथा जबलपुर जिले के सांदीपनि विद्यालय पनागर, पीएम श्री कन्या विद्यालय पनागर एवं शासकीय वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल पनागर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण

के दौरान अधिकांश विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई तथा विद्यालय परिसरों में स्वच्छता संतोषजनक नहीं मिली। सांदीपनि विद्यालय स्लीमनाबाद में प्राचार्य अवकाश पर थे तथा कई कक्षाएँ रिक्त मिलीं। कुछ शिक्षक कक्षाओं में अध्यापन करते हुए नहीं पाए गए। विद्यालय में शिक्षकों की दैनिक डायरी उपलब्ध नहीं थी तथा परिसर की साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं पाई गई।

विद्यार्थियों की उपस्थिति मिली कम

शासकीय हाई स्कूल छपरा में भी विद्यार्थियों की उपस्थिति कम रही। विद्यालय परिसर में स्वच्छता की कमी पाई गई तथा शिक्षकों के पास दैनिक डायरी एवं डेटा रजिस्टर उपलब्ध नहीं मिले। पनागर स्थित सांदीपनि विद्यालय एवं पीएम श्री कन्या विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम रही। विद्यार्थियों का गृहकार्य अधूरा पाया गया तथा शिक्षकों की दैनिक डायरी एवं डेटा रजिस्टर अपूर्ण मिले। विद्यालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं थी। निरीक्षण के उपरांत जिन विद्यालयों में अनियमितताएँ पाई गईं, उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

संयुक्त संचालक श्री घनश्याम सोनी ने बताया कि अब प्रतिदिन विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया जाएगा।

डभौरा स्टेशन पर रूकेगी जबलपुर-अयोध्याधाम स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर से अयोध्या के बीच संचालित की जा रही स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01705/01706 जबलपुर-अयोध्याधाम एक्सप्रेस को डभौरा रेलवे स्टेशन पर अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। रेलवे के इस फैसले से क्षेत्र के उन श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी, जो रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या धाम की

यात्रा करना चाहते हैं। रेलवे द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 01705 जबलपुर-अयोध्याधाम एक्सप्रेस 14 जुलाई से 29 दिसंबर तक डभौरा स्टेशन पर रुकेगी। इस दौरान ट्रेन का डभौरा स्टेशन पर आगमन मध्यरात्रि 00:48 बजे और प्रस्थान 00:50 बजे होगा। दो मिनट के इस ठहराव से जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले यात्रियों को चढ़ने और उतरने की सुगम सुविधा मिल सकेगी। वहीं, वापसी मार्ग पर गाड़ी संख्या 01706 अयोध्याधाम-जबलपुर एक्सप्रेस 15 जुलाई से 30 दिसंबर तक डभौरा रेलवे स्टेशन पर ठहरेगी। इस दिशा में ट्रेन का समय रात 23:28 बजे आगमन और 23:30 बजे प्रस्थान निर्धारित किया गया है।

प्रदर्शन कर किसानों ने सरकार को जमकर सुनाई खरी-खोटी

विविध मांगों को लेकर सीएम और कृषि मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में महाकौशल प्रांत के किसानों ने ग्रीष्मकालीन मूंग की सरकारी खरीदी में आ रही समस्याओं को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा है। जबलपुर जिले की सभी तहसील मुख्यालयों में हुए धरना प्रदर्शन में किसानों ने सरकार व प्रशासन को जमकर खरी खोटी सुनाई। किसानों ने कहा है कि एमएसपी पर उपज की खरीदी किसान का आधार है। मूंग की 25 प्रतिशत खरीदी की बात किसान की मेहनत के अपमान के सिवाय कुछ नहीं है। पाटन तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी, शहपुरा

तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, मंझोली तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल आदि के नेतृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम अपनी मांगो का ज्ञापन संबंधित तहसील के एसडीएम को सौंपा। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम सैकड़ों गांवों के किसानों ने पहुंचकर सरकार के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया।

किसानों को हो रहा भारी नुकसान

प्रदर्शन में बताया गया कि शासन द्वारा वर्तमान में मूंग की खरीदी सीमा मात्र 1.5 क्विंटल प्रति एकड़ तय की गई है, जिसे किसान सरासर अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। किसानों का कहना है कि खेतों में वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। अतः खरीदी सीमा को बढ़ाकर न्यूनतम 5 क्विंटल प्रति एकड़ किया जाए। किसानों ने मांग की है कि उनकी मेहनत की पूरी फसल को औने-पौने दामों में बेचने से बचाने के लिए सरकार 100 प्रतिशत मूंग एवं उड़द का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन सुनिश्चित करे। मंडी में किसानों को प्रति क्विंटल 2000 से 2500 रुपए प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी मांगों पर तत्काल संज्ञान लिया जाए, अन्यथा वे प्रदेशव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगें।

जबलपुर पहुंचे तनिष्क का सांसद आशीष दुबे ने किया स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । संस्कारधानी जबलपुर के प्रतिभावान गायक तनिष्क शुक्ला इंडियन आइडल-16 के ग्रैंड फिनाले से ठीक पहले गुरुवार को अपने गृहनगर पहुंचे। अपने चहेते गायक के जबलपुर आगमन पर शहरवासियों ने उनका जोरदार और आत्मीय स्वागत किया, जिससे पूरे शहर में जश्न जैसा माहौल बन गया। तनिष्क ने अपनी सुरीली आवाज और कड़ी मेहनत के बल पर नेशनल टेलीविजन पर न केवल जबलपुर, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश का मान बढ़ाया है। सांसद आशीष दुबे ने तनिष्क शुक्ला से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया और ग्रैंड फिनाले में जीत के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस दौरान शहर के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में नागरिक अपने होनहार कलाकार की एक झलक पाने और उन्हें बधाई देने के लिए एकत्रित हुए। तनिष्क ने लोगों के इस अपार प्यार और समर्थन के लिए दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कारधानी की माटी और अपनों का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उल्लेखनीय है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित गायन रियलिटी शो 'इंडियन आइडल-16' के ग्रैंड फिनाले में तनिष्क शुक्ला शीर्ष दावेदारों में शामिल हैं। वर्तमान में पूरे देश से उनके लिए वोटिंग प्रक्रिया जारी है।

आत्मरक्षा की ओर बढ़े नन्हे कदम

आदित्य कॉन्वेंट स्कूल के पहली कक्षा के बच्चों ने सीखे मार्शल आर्ट के दांव-पेंच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आज के समय में बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना बेहद जरूरी हो गया है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए आदित्य कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक सराहनीय पहल की गई है।

स्कूल के छोटे बच्चों को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, स्कूल के अनुभवी मुख्य प्रशिक्षक राजकुमार यादव द्वारा पहली कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों को ताइक्वांडो और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस ट्रेनिंग सत्र के दौरान बच्चों को आत्मरक्षा के बुनियादी दांव-पेंच, पंचिंग, ब्लॉकिंग और खुद को सुरक्षित रखने की तकनीकें सिखाई जा रही हैं।

शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर

प्रशिक्षक राजकुमार यादव ने बताया कि मार्शल आर्ट केवल लड़ाई के लिए नहीं, बल्कि बच्चों में एकाग्रता, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक बेहतरीन जरिया है। पहली कक्षा जैसी छोटी उम्र से ही इस तरह का प्रशिक्षण मिलने से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास तेजी से होता है और वे किसी भी अप्रिय स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

स्कूल प्रबंधन ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनका सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। मार्शल आर्ट की इन क्लासों को लेकर नन्हे बच्चों और उनके अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

शराब के लिए रूपए ना देने पर मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली थाने में 34 वर्षीय अखिलेश तिवारी निवासी देवरी अमगवां ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह डेयरी चलाता है। शाम को घर अमगवां देवरी से हिमांशु की मोटर सायकल से कटाव जा रहा था जैसे ही सिहोदा मोड़ मेन रोड पहुँचे रोड किनारे सुनील पटेल, सचिन पटेल बैठे थे जो उसे रोककर शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, रूपये देने से मना किया तो दोनों गाली गलोज करने लगे सुनील पटेल मारपीट कर चोट पहुँचा दी। हिमांशु बीच बचाव करने लगा तो सचिन पटेन ने डंडा से हमलाकर हिमांशु के कंधे में चोट पहुँचा दी तभी सिहोदा निवासी रिंकू पटेल एवं रंजीत पटेल आकर गाली गलोज करते हुये मारपीट किये। मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखे 50 हजार रूपये कहीं गिर गये हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है चिकित्सा

भारतीय शिक्षा दिवस पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत द्वारा भारतीय शिक्षा दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज संस्कारवान चिकित्सक सेवा, संवेदना और राष्ट्र निर्माण विषय पर भव्य एवं प्रेरणादायी व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रभावी संदेश दिया गया। कार्यक्रम के उपरांत अतिथियों एवं चिकित्सकों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि चिकित्सा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने अनेक प्रेरक प्रसंगों एवं जीवन से जुड़े

मार्मिक उदाहरणों के माध्यम से चिकित्सकों और मेडिकल विद्यार्थियों को नैतिकता, संवेदनशीलता, करुणा और सेवा-भाव का महत्व समझाया।

उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक की पहचान केवल उसके ज्ञान और कौशल से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, व्यवहार और रोगी के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से होती है। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. प्रदीप दुबे, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी, ओम शर्मा, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, कुलगुरु डॉ. राजेश वर्मा तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र कुरारिया मंचासीन रहे।

पौधा रोपण का हुआ आयोजन

सभी अतिथियों ने भारतीय शिक्षा, चिकित्सा सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भी मानव सेवा का अभिन्न अंग है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण आवश्यक है।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. सचिन कूचियां ने किया, जबकि डॉ. वीरेंद्र आर्या ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सकों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं मेडिकल विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। भारतीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित यह व्याख्यान चिकित्सा शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, पर्यावरण चेतना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त बनाने वाला प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ।

लेखांकन में एआई का प्रवेश, एक आधुनिक परिवर्तन

आज के आधुनिक डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता या एआई ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। लेखांकन का क्षेत्र भी इसी तकनीक से तेजी से प्रभावित हो रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऐसी उन्नत तकनीक है, जो कंप्यूटर और मशीनों को मानव बुद्धि की तरह सोचने, सीखने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। लेखांकन में एआई के प्रयोग से कार्यों की गति, सटीकता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

लेखांकन में एआई का उपयोग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लेखांकन के कई कार्यों को सरल और स्वचालित बना दिया है। डेटा एंट्री, बिल प्रोसेसिंग, बैंक रिकंसिलिएशन, कर गणना तथा वित्तीय रिपोर्ट तैयार करने जैसे कार्य अब एआई की सहायता से कम समय में किए जा सकते हैं। इससे कर्मचारियों का समय बचता है और कार्यों में होने वाली मानवीय त्रुटियों को भी कम किया जा सकता है।

वित्तीय विश्लेषण और बेहतर निर्णय

एआई बड़ी मात्रा में वित्तीय डेटा का तेजी से विश्लेषण करने में सक्षम है। इसके माध्यम से व्यवसाय अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और भविष्य की योजनाओं के लिए सही निर्णय ले सकते हैं। एआई आधारित प्रणाली वित्तीय रुझानों की पहचान कर व्यवसायों को अधिक प्रभावी रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करती है।

धोखाधड़ी की पहचान में एआई की भूमिका

लेखांकन में एआई का एक महत्वपूर्ण उपयोग वित्तीय धोखाधड़ी को रोकना है। एआई सिस्टम असामान्य लेन-देन और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाकर वित्तीय जोखिमों को कम करने में मदद करते हैं। इससे संस्थानों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ती है।

ऑडिटिंग में एआई का योगदान

ऑडिटिंग के क्षेत्र में भी एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करके ऑडिटरों को अधिक सटीक और प्रभावी परिणाम प्रदान करता है। इससे ऑडिट प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और विश्वसनीय बनती है।

एआई के लाभ और चुनौतियाँ

एआई के प्रमुख लाभों में कार्यक्षमता में वृद्धि, समय की बचत, लागत में कमी, सटीकता और त्वरित रिपोर्टिंग शामिल हैं। हालांकि, इसके सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जैसे डेटा सुरक्षा, प्रारंभिक निवेश की अधिक लागत और कर्मचारियों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण देना।

भविष्य में एआई का महत्व

भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता लेखांकन के क्षेत्र को और अधिक उन्नत बनाएगी। यह लेखाकारों को दोहराव वाले कार्यों से मुक्त करके वित्तीय विश्लेषण, रणनीतिक योजना और सलाहकारी सेवाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देगी।

सुरभि सिंह फौजदार
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी
गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

कॉमर्स की पढ़ाई: करियर की असीम उड़ान

12वीं बोर्ड परीक्षा के बाद विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि आगे कौन-सा करियर चुना जाए। विशेष रूप से कॉमर्स के छात्रों के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण होता है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि कॉमर्स का मतलब केवल सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंसी) है, जबकि इस क्षेत्र में अनेक आकर्षक और सफल करियर विकल्प उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के विषय संयोजन के अनुसार उनके लिए अलग-अलग अवसर खुलते हैं।

मोहित सक्सेना
शिक्षक
कस्तूरचंद हितकारिणी चिल्ड्रन केडमी
जोंसगंज, जबलपुर

मैथ्स के साथ कॉमर्स

मैथ्स के साथ कॉमर्स एक मजबूत संयोजन माना जाता है। यह छात्रों को वित्तीय समझ के साथ-साथ विश्लेषणात्मक क्षमता भी प्रदान करता है। ऐसे विद्यार्थी एक्चुरियल साइंस में करियर बना सकते हैं, जहाँ बीमा और वित्तीय संस्थानों में जोखिम का आकलन किया जाता है। इसके अलावा इकोनॉमिक्स ऑनर्स करके छात्र अर्थव्यवस्था, नीति निर्माण और वित्तीय अनुसंधान के क्षेत्र में विशेषज्ञ बन सकते हैं। रिज़र्व बैंक, नीति आयोग और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों में इनके लिए अच्छे अवसर उपलब्ध रहते हैं।

इन्फॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज (आईपी) के साथ कॉमर्स

कॉमर्स और तकनीक का यह आधुनिक मिश्रण आज के डिजिटल युग में अत्यंत उपयोगी है। ऐसे छात्र डेटा एनालिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, सॉफ्टवेयर डेवलपर और फिनटेक विशेषज्ञ के रूप में करियर बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम जैसे क्षेत्रों में भी इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। बीसीए, बीकॉम (एनालिटिक्स) तथा डिजिटल फाइनेंस जैसे कोर्स इनके लिए उपयुक्त विकल्प हैं।

बिना मैथ्स और आईपी के कॉमर्स

यह धारणा गलत है कि बिना मैथ्स या आईपी के अवसर सीमित हो जाते हैं। ऐसे विद्यार्थी सीए, कंपनी सेक्रेटरी और कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी जैसे प्रतिष्ठित प्रोफेशनल कोर्स कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कॉर्पोरेट लॉ, बीबीए, बीएमएस तथा होटल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी शानदार करियर बनाया जा सकता है। इन क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन कौशल और कानून की समझ विशेष महत्व रखती है।

रुचि के अनुसार करें चयन

कॉमर्स स्ट्रीम का दायरा बहुत व्यापक है। मैथ्स छात्रों को वित्त और डेटा विश्लेषण की दिशा में आगे बढ़ाता है, जबकि आईपी विषय तकनीकी अवसरों के द्वार खोलता है। वहीं बिना इन दोनों विषयों के भी अकाउंटेंसी, कानून और प्रबंधन में उत्कृष्ट करियर बनाया जा सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल करियर के स्कोप को देखकर नहीं, बल्कि अपनी रुचि, क्षमता और लक्ष्य के अनुसार सही राह का चयन करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं? यूपीआई से पैसा कुछ सेकेंड में कैसे पहुंच जाता है?

आज के समय में सब्जी खरीदने से लेकर बिजली का बिल भरने और ऑनलाइन शॉपिंग तक, ज्यादातर भुगतान यूपीआई यानि यूनिफ ाईड पेमेंट्स इंटरफेस के माध्यम से किए जा रहे हैं। मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करते ही कुछ ही सेकंड में पैसा दूसरे व्यक्ति के बैंक खाते में पहुंच जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह पूरी प्रक्रिया इतनी तेज़ी से कैसे पूरी होती है?

जब आप किसी यूपीआई ऐप से भुगतान करते हैं, तो सबसे पहले आपका ऐप आपके बैंक खाते की पहचान और सुरक्षा की पुष्टि करता है। इसके बाद लेनदेन का अनुरोध नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन आफइंडिया के यूपीआई नेटवर्क तक पहुंचता है। यह एक सुरक्षित प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है, जो भेजने वाले और प्राप्त करने वाले बैंक के बीच जानकारी का आदान-प्रदान कराता है। दोनों बैंक लेनदेन की पुष्टि करते हैं और अनुमति मिलते ही राशि प्राप्तकर्ता के खाते में जमा हो जाती है। यह पूरी प्रक्रिया अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक और सुरक्षित नेटवर्क के कारण कुछ ही सेकंड में पूरी हो जाती है। यूपीआई की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन और साल के 365 दिन काम करता है। यही कारण है कि छुट्टियों या बैंक बंद होने पर भी यूपीआई से भुगतान आसानी से किया जा सकता है। इसके अलावा इसमें बैंक खाता संख्या याद रखने की आवश्यकता नहीं होती। केवल यूपीआई आईडी, मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है। सुरक्षा के लिहाज से भी यूपीआई काफी मजबूत माना जाता है। हर लेनदेन के लिए

यूपीआई पिन दर्ज करना अनिवार्य होता है और पूरी प्रक्रिया एन्क्रिप्टेड होती है, जिससे आपकी बैंकिंग जानकारी सुरक्षित रहती है। हालांकि, किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपना यूपीआई पिन या ओटीपी साझा नहीं करना चाहिए।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक संकट में आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल

जीवन में हर दिन एक जैसा नहीं होता। कभी किसी गंभीर बीमारी का खर्च आ जाए, वाहन खराब हो जाए या घर में कोई अप्रत्याशित आर्थिक समस्या खड़ी हो जाए, ऐसे समय में यदि आपके पास पहले से बचाई गई राशि हो, तो आप बिना कर्ज़ लिए या अपनी लंबी अवधि की बचत तोड़े स्थिति का सामना कर सकते हैं। यही बचत आपातकालीन फंड कहलाती है। यह केवल पैसे जमा करने का तरीका नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और मानसिक शांति का मजबूत आधार है।

क्या होता है आपातकालीन फंड?

आपातकालीन फंड वह राशि है जिसे केवल अचानक आने वाली वित्तीय आपात स्थितियों के लिए अलग रखकर बचाया जाता है। इसका उद्देश्य रोजमर्रा के खर्च पूरे करना नहीं, बल्कि ऐसे समय में सहारा देना है जब आय रुक जाए या अप्रत्याशित खर्च सामने आ जाए।

इमरजेंसी फंड कितना होना चाहिए?

वित्तीय विशेषज्ञ सामान्यत: सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 से 12 महीने के आवश्यक घरेलू खर्च के बराबर आपातकालीन फंड होना चाहिए। यदि आपकी नौकरी अस्थिर है या आप स्वरोज़गार करते हैं, तो इससे अधिक राशि रखना भी लाभदायक हो सकता है।

कहाँ रखें इमरजेंसी फंड ?

- बचत खाते में
- लिक्विड म्यूचुअल फंड में
- फिक्स्ड डिपॉजिट (जिसे आसानी से तोड़ा जा सके)
- ऐसे निवेश विकल्पों में जहाँ से आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके।

इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें?

हर महीने अपनी आय का 10 से 20 प्रतिशत अलग बचाएं। इस राशि को नियमित बचत की तरह प्राथमिकता दें। बोनस, टैक्स रिफंड या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा भी इसमें जोड़ें। इस पैसे का उपयोग केवल वास्तविक आपात स्थिति में ही करें। आपातकालीन फंड केवल बचत नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की पहचान है। यह कठिन समय में आपको कर्ज़ के बोझ से बचाता है, परिवार को वित्तीय सुरक्षा देता है और भविष्य की अनिश्चितताओं का सामना करने का आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसलिए चाहे आपकी आय कम हो या अधिक, आज से ही नियमित बचत शुरू करें और अपना आपातकालीन फंड तैयार करें।

जमशेदजी टाटा: भारतीय उद्योग जगत के युगपुरुष

भारत के औद्योगिक इतिहास में जब भी महान उद्योगपतियों का नाम लिया जाता है, सबसे पहले जमशेदजी टाटा का स्मरण होता है। उन्हें आधुनिक भारतीय उद्योग का जनक कहा जाता है। उन्होंने ऐसे समय में उद्योगों की स्थापना का सपना देखा, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और औद्योगिक विकास सीमित था। उनकी दूरदृष्टि, राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की भावना ने भारत को आत्मनिर्भर औद्योगिक राष्ट्र बनने की दिशा में नई राह दिखाई।

प्रारंभिक जीवन

जमशेदजी टाटा का जन्म 3 मार्च 1839 को नवसारी में हुआ। उन्होंने

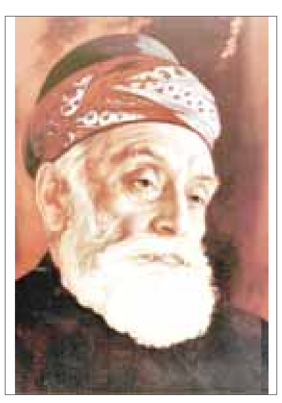

अपने पिता के व्यापार से प्रेरणा लेकर व्यवसाय की दुनिया में कदम रखा। प्रारंभ से ही उनका लक्ष्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि भारत में विश्वस्तरीय उद्योग स्थापित करना था।

उद्योग जगत में योगदान

उन्होंने वस्त्र उद्योग से अपने व्यापार की शुरुआत की और बाद में इस्पात, जलविद्युत तथा उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़े सपने देखे। उनके प्रयासों से भारत में आधुनिक उद्योगों की मजबूत नींव पड़ी। उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए टाटा समूह ने इस्पात, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, होटल, ऊर्जा और कई अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

समाज के प्रति जिम्मेदारी

वे केवल सफल उद्योगपति ही नहीं, बल्कि समाजसेवी भी थे। उनका विश्वास था कि उद्योगों का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि समाज के जीवन स्तर को बेहतर बनाना भी है। यही सोच आज भी टाटा समूह की कार्य संस्कृति में दिखाई देती है।

दूरदर्शी सोच

जमशेदजी टाटा का मानना था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उद्योग, विज्ञान और शिक्षा के समन्वय से होती है। उन्होंने विश्वस्तरीय इस्पात संयंत्र, जलविद्युत परियोजनाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान की परिकल्पना की, जो आगे चलकर भारत के विकास में मील का पत्थर बने।

ग्रीन मार्केटिंग: पर्यावरण संरक्षण की ओर एक सकारात्मक पहल

वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाया है। इसी जागरूकता के परिणामस्वरूप हरित विपणन या ग्रीन मार्केटिंग की अवधारणा विकसित हुई है। इसका अर्थ है ऐसे उत्पादों और सेवाओं का उत्पादन, प्रचार और विक्रय जो पर्यावरण के अनुकूल हों तथा प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग करें।

ग्रीन मार्केटिंग का महत्व

इसका उद्देश्य केवल उत्पाद बेचना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देना भी है। आज उपभोक्ता ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं जो पुनर्चक्रण योग्य हों।

ग्रीन मार्केटिंग के लाभ

हरित विपणन से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ व्यवसायों को भी अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। इससे कंपनी की सकारात्मक छवि बनती है, ग्राहकों का विश्वास बढ़ता है और बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है। ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट में कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग भी इसके प्रमुख लाभ हैं।

एथिकल हैकिंग: साइबर अपराधियों से पहले सुरक्षा की कमजोरियां खोजने वाले विशेषज्ञ

कल्पना कीजिए कि आपके घर की सुरक्षा जाँच करने के लिए आप स्वयं किसी विशेषज्ञ को बुलाएँ, जो चोर की तरह हर दरवाज़ा, खिड़की और ताला परखे। यदि उसे कोई कमजोरी मिले, तो वह उसे तुरंत ठीक करने की सलाह दे, ताकि भविष्य में कोई चोरी न हो सके। डिजिटल दुनिया में यही काम एथिकल हैकर्स करते हैं। आज बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, सरकारी सेवाएँ और व्यक्तिगत जानकारी सब कुछ इंटरनेट से जुड़ा है। ऐसे में साइबर अपराधियों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इन खतरों से बचाने के लिए संस्थाएँ उन विशेषज्ञों की मदद लेती हैं जो कानूनी अनुमति के साथ सिस्टम की सुरक्षा की जाँच करते हैं। यही प्रक्रिया एथिकल हैकिंग कहलाती है।

एथिकल हैकिंग क्यों बन गई है समय की सबसे बड़ी आवश्यकता?

1. बढ़ते साइबर अपराधों से सुरक्षा प्रमुख कारण है। हर दिन लाखों साइबर हमले होते हैं। एथिकल हैकिंग इन हमलों से पहले ही सुरक्षा की कमियाँ खोज लेती है।
2. संवेदनशील डेटा की रक्षा करना इनकी प्राथमिकता होती है। बैंक, अस्पताल, स्कूल, विश्वविद्यालय, ई-कॉमर्स कंपनियाँ और सरकारी विभाग अपने ग्राहकों एवं नागरिकों की गोपनीय जानकारी सुरक्षित रखने के लिए एथिकल हैकर्स की सहायता लेते हैं।
3. करोड़ों रुपये के नुकसान से बचाव एक और प्रमुख कारण है। एक सफल साइबर हमला किसी कंपनी की प्रतिष्ठा और आर्थिक स्थिति दोनों को भारी नुकसान पहुँचा सकता है। समय पर सुरक्षा परीक्षण ऐसे जोखिमों को काफी हद तक कम कर देते हैं।
4. ग्राहकों का विश्वास मजबूत होता है। जब किसी संस्था की साइबर सुरक्षा मजबूत होती है, तो लोग निश्चिंत होकर उसकी ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हैं।

क्या है एथिकल हैकिंग?

एथिकल हैकिंग किसी कंप्यूटर, वेबसाइट, मोबाइल ऐप या नेटवर्क की सुरक्षा का कानूनी और अधिकृत परीक्षण है। इसमें विशेषज्ञ उसी प्रकार सुरक्षा की कमजोरियाँ खोजते हैं, जैसे कोई साइबर अपराधी खोज सकता है। अंतर केवल इतना है कि उनका उद्देश्य नुकसान पहुँचाना नहीं, बल्कि उन कमजोरियों को समय रहते दूर कर सिस्टम को अधिक सुरक्षित बनाना होता है। इसी कारण एथिकल हैकर्स को व्हाइट हैट हैकर्स कहा जाता है।

एथिकल हैकिंग और साइबर अपराध में अंतर

एथिकल हैकिंग पूरी तरह कानूनी और अनुमति-आधारित प्रक्रिया है, जबकि अवैध हैकिंग बिना अनुमति की जाती है और उसका उद्देश्य डेटा चोरी, आर्थिक नुकसान या सिस्टम को नुकसान पहुँचाना होता है। इसलिए एथिकल हैकर सुरक्षा विशेषज्ञ होते हैं, जबकि साइबर अपराधी कानून का उल्लंघन करते हैं। एथिकल हैकिंग आधुनिक डिजिटल समाज की सुरक्षा का मजबूत आधार है। यह तकनीक साइबर अपराधियों से मुकाबला करने का सबसे प्रभावी और जिम्मेदार तरीका है। जिस प्रकार देश की सीमाओं की रक्षा सैनिक करते हैं, उसी प्रकार डिजिटल दुनिया की सुरक्षा में एथिकल हैकर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि किसी युवा की रुचि कंप्यूटर, तकनीक और समस्या समाधान में है, तो एथिकल हैकिंग उसके लिए सम्मानजनक, चुनौतीपूर्ण और भविष्य सुरक्षित करियर साबित हो सकती ळें

एथिकल हैकर कैसे काम करते हैं?

एथिकल हैकर सबसे पहले संबंधित संस्था से लिखित अनुमति प्राप्त करते हैं। इसके बाद वे विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से यह जाँचते हैं कि कहीं सिस्टम में ऐसी कोई कमजोरी तो नहीं, जिसका फायदा उठाकर कोई साइबर अपराधी डेटा चोरी कर सके, वेबसाइट बंद कर सके या वित्तीय नुकसान पहुँचा सके। जाँच पूरी होने के बाद वे एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करते हैं और सुरक्षा मजबूत करने के उपाय सुझाते हैं।

कलेक्टर से मत कहना...नौकरी चली जायेगी

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के कमरे में किसानों का बीज...

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

किसानों की उम्मीद कहे जाने वाला कृषि विभाग इन दिनों अपनी कार्यप्रणाली को लेकर खूब चर्चाओं में है। दिया तले अंधेरा... की कहावत कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय पर सटीक नजर आ रही है, उन्हीं के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (ग्राम सेवक) ने सरकार से किसानों को आया हुआ बीज वितरण के बजाय अपने ही कमरे में रख दिया गया कि वह बीज को एक व्यापारी को बेचकर पैसा कमा सके। वहीं कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय के द्वारा कृषि धान, बीज और कीटनाशक दवाइयां की दुकानों का औचित निरीक्षण कर अखबारों में वाह-वाही लूटी जा रही है। यह कहे कि ग्रामीण विस्तर अधिकारी के साथ सरकारी बीज की अफरातफरी कर रहे हैं। जानकारी अनुसार, जिला कृषि उपसंचालक फुलसिंह मालवीय के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कटंगी के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के क्षेत्र देवरी, बासी, नदौरा ग्रामों का नेतृत्व कर रहे हैं। वह पूर्व में वार्ड 2 दुर्गा मंदिर के पीछे कटंगी भरतलाल रहांगडाले के मकान में किराए के मकान में रहता था, ख़रीब वित्तीय वर्ष 2026 में जनवरी-फरवरी किसानों को राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड द्वारा फसल तिल, उड़द और मूंग का बीज वितरण के लिए आया हुआ था। आरोप है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलिल दीक्षित के द्वारा किसानों को बीज का वितरण ना करते हुए उन बीजों को व्यापारी को बेचने के लिए तिल, उड़द और मूंग की तीन बोरी बीज याने प्रति बोरी 60-60-60 किलोग्राम बीज को अपने किराए के कमरे में रखवा दिया गया। जिसकी शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत विभागीय स्तर पर भी की गई है लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होना बताया जा रहा है।

उपसंचालक अपने ही विभाग की कार्यप्रणाली से बेखबर या कर रहे किसानों के बीज का बंदरबाट!

किसानों को मिला भी या दस्तावेज़ में दर्ज हो गया बीज...

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलीम दीक्षित के द्वारा कथित रूप से किराए के मकान में रखा गया बीच का डम्प यह साबित करता है कि किसानों तक सरकार के द्वारा वितरण गुणवत्ता पूर्वक बीज का वितरण किया ही नहीं गया है, जिससे लगता है कि विभाग ने दस्तावेज में वितरण करना दर्शा दिया गया हो... तभी तो बीज अधिकारी ने बिचौलियों को बेचने के लिए घर पर डंप कर लिया वो। यह तो जांच का विषय है की जांच में क्या सत्यता सामने आती है।

कही कागजों में तो नहीं बटा सरकारी बीज...

राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड जो एक भारत सरकार की उपक्रम कम्पनी है, के द्वारा प्रमाणिक बीज किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष तिल, उड़द, मूंग, चना और अन्य खरीब व रबी फसल के लिए किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से बीज वितरण किया जाता है लेकिन जो तस्वीर कटंगी से आई है उससे यह साबित होता है कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रमाणिक बीज किसानों तक पहुंचा ही नहीं जाता और वह बिचौलियों को भेज देते हैं या कहे कि कागजों में किसानों को बीज वितरण की कर देते हैं।

शिकायतकर्ता ने कहा- उपसंचालक से मिलने पर उन्होंने कहा कि कलेक्टर से मत कहना

शिकायतकर्ता ने नाम न लिखने की शर्त पर कहा कि मेरे द्वारा बालाघाट जिले के कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें एक लिखित आवेदन दिया था जिसमें मैंने यह भी कहा था कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सलीम दीक्षित के द्वारा घर में किसानों को वितरण किए जाने वाला बीज की बोरियां रखी हुई है जिस पर उपसंचालक फूलसिंह मालवीय ने कहा था कि यह बातें हमारे पास बोले हैं यह बीज तिल, उड़द और मूंग बीज को लेकर कलेक्टर साहब से चर्चा मत करिएगा नहीं तो हमारी नौकरी खतरे में आ जाएंगे हम जल्दी जांच करेंगे। इसके बाद उपसंचालक के द्वारा चर्चा के दौरान कहा जिससे लगता है कि वह अपने कर्तव्यों से पीछे हट रहे है या अपनी जिम्मेदारी को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं।

इनका कहना हैं

किसानों को वितरण के लिए आया बीज के भंडारण को लेकर जब हमने उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से चर्चा की तो उन्होंने सवाल का जवाब देने से बचते रहे और कहां की उक्त संबंध के बारे में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कटंगी से जानकारी ले ले हमें कोई भी इस बारे में जानकारी नहीं है।पत्नी घर का ताला लगाकर चले गई हैं, इससे कुछ किसान को बीज वितरण के लिए आया हुआ बीज घर पर रखा हुआ हैं अब तो वह बीज का समय भी चला गया। हमने पूछा कि घर में बीज क्यों ले गए हो तो उन्होंने गोलमाल जवाब देते हुए कहा कि शनिवार -रविवार का दिन होने के कारण बीज घर पर ही रख दिया गया और पत्नी से विवाद होने से वह बीज घर पर ही है।

सलिल दीक्षित
ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी

देवराम मंडलेकर के घर फॉरेस्ट की छापेमारी में 27 नग सागौन चिरान जब्त

ग्राम चिखला बांध में वन विकास विभाग की बड़ी कार्रवाई

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

वन विकास निगम वारासिवनी ने सर्च वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्राम चिखला निवासी देवराम मण्डलेकर (पूर्व सरपंच पति) के घर से बड़ी मात्रा में सागौन प्रजाति की चरपट (चिरान लकड़ी) जब्त की है। लकड़ी के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभाग ने उसे जब्त कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, 9 जुलाई को वन विकास निगम के संभागीय प्रबंधक सुंदर निवेदन के आदेशानुसार टीम सर्च वारंट लेकर परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी दिनेश रामटेके अमले के साथ देवराम मण्डलेकर के निवास पर पहुंची। तलाशी के दौरान मकान के ऊपरी कमरे में सागौन प्रजाति की चिरान रखी मिली।वन अधिकारियों ने मकान मालिक देवराम मण्डलेकर से लकड़ी के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह मौके पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद वन विभाग ने लकड़ी को मौके पर जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की तथा कार्रवाई के दौरान मौके पर पंचनामा तैयार किया गया। अवैध रूप से रखी गई 27 नग बेशकीमती सागौन चिरान को जप्त कर कनकी डिपो भिजवाया गया और अवैध सागौन लकड़ी रखने पर देवराम मण्डलेकर के विरुद्ध वन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी दिनेश रामटेके, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र मेश्राम, वन रक्षक अनिल मरावी, वन रक्षक अरविंद कुमरे, वन रक्षक रंजीत पटले और स्थाई कर्मियों में नंदकिशोर भलावी, राजकुमार नेवारे, नोकराम मण्डलेकर एवं यादोराव मण्डलेकर सहित अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी रहीं।

इनका कहना है

ग्राम चिखला बांध में देवराम मण्डलेकर के घर में अवैध सागौन लकड़ी की मुखबिरी से सूचना मिलते संभागीय प्रबंधक के निर्देशानुसार सर्च वारंट के तहत अमले के साथ घर पहुंचे तो घर का ताला बंद था, देवराम मण्डलेकर को बुलवाकर घर का ताला खुलवाए और सर्च में 27 नग सागौन चिरान पाई गई कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर वन संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही कर लड़की को जब्त किया गया।

दिनेश रामटेके
वन परिक्षेत्र अधिकारी
वारासिवनी

कटंगी कॉलेज में विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए किया प्रेरित

कटंगी (स्वतंत्र मत)। राजा भोज शासकीय महाविद्यालय, कटंगी में विद्यार्थियों को स्वरोजगार और उद्यमिता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से च्सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)ज्ञ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेंडे ने की।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवीन श्रीवास्तव (एचआई इंस्टीट्यूट नोडल अधिकारी) एवं गोरखनाथ भुरे (टीपीओ, सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक, बालाघाट) उपस्थित रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को एमएसएमई के महत्व, उद्यमिता विकास, स्वरोजगार के अवसर के विषस पर प्रकाश डाला।

तांत्रिक क्रिया करने मृत भालू का निकाला था कलेजा, कुएं में फेंके टुकड़े

दो आरोपित गिरफ्तार; दो फरार, ग्राम पिपरटोला का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य के वन परिक्षेत्र खैरलांजी वन परिक्षेत्र के भंडारबोड़ी अंतर्गत पीपरटोला में भालू का शिकार कर टुकड़े करके कुएं में फेंकने वाले दो आरोपितों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपित फरार है। इनके कब्जे से नाखून बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपित सुरेंद्र पिता हरीराम गोंड 40 वर्ष निवासी पिपरटोला और छबिलाल पिता टीकाराम उइके 38 वर्ष भंडारबोड़ी निवासी है। बताया गया कि इन आरोपितों ने जंगली सूअर का शिकार करने के लिए विद्युत करंट बिछाया था, लेकिन उसमें भालू चपेट में आ गया। जिसके बाद आरोपितों ने भालू के शव को टूकड़े में करते हुए सीना को फाड़कर कलेजा निकालने के साथ ही नाखून निकाल लिया था, ताकि वह बाद में तांत्रिक क्रिया में उपयोग कर सके। साथ ही बाकी टुकड़े को जंगल किनारे जियालाल धुर्वे के खेत स्थित कुएं में सबूत मिटाने फेंक दिया था। आरोपित शराब के नशे में वे शिकार के लिए विद्युत करंट बिछाने का कार्य करते थे। इस बार भी उन्होंने शराब के नशे में ही इस तरह का पूरा कृत्य को अंजाम दिया था। इन आरोपितों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज किया गया है।ें वन परिक्षेत्र अधिकारी डीसी वासनिक, डिप्टी रेंजर विजय कुसरे, अशोक गौतम, अजय अर्जे, निलमकिर्ती सुखदेवे, नरेंद्र उइके, मनीष पटले, सौरभ शर्मा, धनराज लिल्हारे, राकेश शाह, गणेश शरणागत, भानूप्रताप राणा सहित अन्य का योगदान रहा।

इनका कहना हैं -भालू शिकार मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपित फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। आरोपितों ने जंगली सूअर का शिकार करने के लिए विद्युत करंट बिछाया था। जिसमें नर भालू आ गया और उसकी मौत हो गई। आरोपितों ने भालू के कलेजा को निकालने के लिए उसे चिर दिया था और उसके विविध टुकड़े कर दिए थे। जिसके बाद शव को कुएं में फेंक दिया था। आरोपितों के पास से नाखून बरामद किया गया है। प्रकरण में जांच की जा रही हैं। प्रथम दृष्टया यह प्रकरण किसी तांत्रिक क्रिया के लिए कलेजा का उपयोग करने का सामने आया है। फरार आरोपितों के पकड़े जाने पर और स्थिति स्पष्ट होगी। **डीसी वासनिक,वन परिक्षेत्र अधिकारी, खैरलांजी**

अवैध गिट्टी से भरा वाहन हुआ जब्त

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

जिले के पाली थाना क्षेत्र की घुनघुटी चौकी पुलिस ने एनएच-43 पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान चालक के पास खनिज परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया और संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घुनघुटी चौकी के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान गिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली वहां से गुजरती दिखाई दी। वाहन की गतिविधि संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उसे रोककर चालक से रॉयल्टी पर्ची, परिवहन अनुमति और अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा। हालांकि चालक कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। पूछताछ में चालक की पहचान पप्पू प्रसाद यादव (23 वर्ष), पिता रामनरेश यादव, निवासी ग्राम नेऊसा, थाना पाली के रूप में हुई। गिट्टी का परिवहन निर्धारित नियमों का पालन किए बिना किया जा रहा था।

पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही जब्त कर लिया और आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम की धारा 4 एवं 21 के तहत मामला दर्ज किया है। घुनघुटी चौकी प्रभारी शैलेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। जिले के प्रमुख मार्गों, विशेष रूप से एनएच-43 पर नियमित रूप से वाहन जांच की जा रही है ताकि बिना अनुमति खनिज परिवहन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

श्री चतुर्वेदी का कहना है कि पुलिस और खनिज विभाग संयुक्त रूप से ऐसे मामलों पर निगरानी बनाए हुए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में भी जिले भर में सघन जांच अभियान जारी रहेगा और अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मानसून में हाई अलर्ट पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, सभी 9 रेंजों में विशेष गश्त

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मानसून के मौसम में वन्यजीवों की सुरक्षा और जंगलों की प्रभावी निगरानी के उद्देश्य से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में विशेष मानसून गश्त अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को ताला रेंज में अधिकारियों और वन अमले ने सघन गश्त की, जिसके फोटो और वीडियो भी सामने आए हैं। पार्क प्रबंधन की माने तो केवल ताला रेंज ही नहीं बल्कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सभी 9 रेंजों में मानसून गश्त लगातार जारी है। इस दौरान वनकर्मी जंगल के संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं, वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है तथा शिकार और अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए चौकसी बढ़ा दी गई है। बारिश के मौसम में जंगलों में हरियाली बढ़ने के साथ वन्यजीवों की आवाजाही भी बढ़ जाती है।ऐसे में गश्ती दलों को रणनीतिक रूप से तैनात कर लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि मानसून के दौरान वन और वन्यजीवों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जहरीली गैस की चपेट में आने से दो किसानों की मौत

किरनापुर के पिपरटोला में कुएं में मोटर सुधारने उतरे थे दोनों

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरटोला में गुरुवार शाम जहरीली गैस की चपेट में आने से दो किसानों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार, पिपरटोला निवासी युवराज पिता चंदनलाल बिसेन 55 वर्ष का ग्राम माटे सड़क किनारे मकान है। मकान के पीछे एक कुआं है, उसमें लगी मोटर गुरुवार को खराब हो गई थी। शाम करीब 6 बजे युवराज और उनके साथी महेश पिता भरतलाल चौधरी 45 वर्ष मोटर सुधारने के लिए कुएं में उतरे। कुएं के अंदर लंबे समय से पानी भरा होने और हवा का आवागमन न होने के कारण जहरीली गैस जमा हो गई थी। जैसे ही दोनों नीचे पहुंचे, उनकी सांस घुटने लगी और वे बेहोश होकर गिर पड़े। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने ग्रामीणों की मदद से रस्सी के सहारे दोनों को बाहर निकाला। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। किरनापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की गई। प्राथमिक जांच में मौत का कारण कुएं में जमा जहरीली गैस बताया जा रहा है। दोनों मृतक पिपरटोला के ही रहने वाले थे। एक साथ दो लोगों की मौत से गांव में शोक का माहौल है।

बरसात में धधकी राइस मिल हजारों क्विंटल धान जलकर राख

उमरिया (स्वतंत्र मत)। करकेली जनपद से सटे बसकुटा गांव स्थित डीके राइस मिल में गुरुवार को अचानक भीषण आग लग गई। बरसात के मौसम में हुई इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और मिल में भंडारित हजारों क्विंटल धान इसकी चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक बड़ी मात्रा में धान जलकर नष्ट हो चुका था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग तेजी से फैली, जिससे मिल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन बिजली के शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की चर्चा की जा रही थी। हालांकि संबंधित विभाग और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हैं। प्रारंभिक तौर पर नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस घटना ने राइस मिलों में भंडारित धान की सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसानों की महीनों की मेहनत से तैयार धान के जलने से आर्थिक नुकसान भी बड़ा माना जा रहा है।

अनूपपुर का परिवार उमरिया में हुआ काल का शिकार

एनएच 43 पर दर्दनाक हादसे में 4 की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले में गुरुवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक पूरे परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी के समीप भरौला स्थित सिद्ध बाबा इलाके में तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पॉच लोगों में से चार ने घटना स्थल पर दम तोड़ दिया, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल युवती को को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उसे जबलपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा गुरुवार तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ।

चित्रकूट परीक्षा देने जा रही थी खुशबू

अर्टिगा कार (एमपी18जेडई9677) में सवार सभी लोग अनूपपुर जिले के लीला गांव के निवासी थे और चित्रकूट जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार सीधे सड़क पर खड़े ट्रक से जा भिड़ी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा ने बताया कि हादसे में ग्राम सरपंच कुलपत सिंह (37), उनकी पत्नी एवं मध्य प्रदेश पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल सविता सिंह मार्को (32), उनका तीन वर्षीय पुत्र रुद्र प्रताप तथा परिवार की सदस्य प्रियंका सिंह (24) की मौत हो गई। हादसे में प्रियंका की बहन खुशबू मार्को (22) गंभीर रूप से घायल हुई है। जानकारी के मुताबिक खुशबू की चित्रकूट में परीक्षा थी। इसी सिलसिले में पूरा परिवार उसे परीक्षा दिलाने के लिए कार से रवाना हुआ था। लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जाता है कि अस्पताल पहुंचने तक खुशबू की सांसें भी थम चुकी थीं।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर

डॉक्टरों ने तत्काल सीपीआर देकर उसे पुनर्जीवित किया, जिससे उसकी सांसें वापस लौट आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, सिविल लाइन चौकी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

बेतरतीब खड़े वाहन बन रहे हादसों की वजह

इस दर्दनाक हादसे की खबर फैलते ही अनूपपुर और उमरिया दोनों जिलों में शोक की लहर दौड़ गई। एक ही परिवार के चार सदस्यों की असमय मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। विदित हो कि नेषनल हाईवे में वाहन कार तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, और वही सड़क किनारे खड़े ट्रक की वजहों से हादसे का षिकार हो जाते हैं। वहीं नेषनल हाईवे में किनारे बने ढाबे और रेस्टोरेंट के कारण कई बार बेतरतीब खड़े बड़े वाहन हादसों को न्यौता देते हैं। सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी से इस तरह के हादसे जानलेवा साबित हो रहे हैं।

दया के बदले दलालों की दुआ : बिना बिल बाऊचर के मंडला आ रहा सरिया, नजराने में हर माह दे रहे मोटी रकम

मण्डला(स्वतंत्रमत)

नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले भर में इन दिनों बिना जीएसटी बिल के स्टील सरिया बुलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ से दलालों और कम्पनियों के माध्यम से आने वाला लोहा के कागजातों में भारी हेरफेर की जा रही है। ये गाड़िया व्यापारियों के गोदामों में देर रात या सुबह पहर उतारी जा रही है वहीं व्यापारी भी आम जनता को बिना बिल का लोहा बेच रहे हैं। यहीं नही कम तौल तो वहीं बिना बिल ब्रांडेड कम्पनियों का नाम बताकर लोकल स्टील सरिया ग्राहकों को टिकाया जा रहा है और तो और महंगी कीमत भी वसूली जा रही है। लोहा सरिया की प्रति क्वांटल की कीमत अलग-अलग दुकानों में अलग अलग दर में दिखाई देती है। अवैध लोहे के कारोबार में जिले के अनेक व्यापारी शामिल बताए जाते हैं। लंबे समय से छत्तीसगढ़ राज्य से अवैध लोहा व्यापारियों के यहाॅ प्रतिदिन उतारा जा रहा है। लोहे के इस अवैध कारोबार पर मण्डला जबलपुर डिण्डौरी के अलावा अन्य जिले के लोग भी शामिल है। बगैर बिल-बाऊचर के लोहा छत्तीसगढ़ राज्य से मप्र के मण्डला डिण्डौरी जबलपुर और अन्य जिलों में प्रति दिन कई टन लोहा पहुंच रहा है इस अवैध कारोबार को अंजाम देने में वाणिज्यकर और आरटीओ नाका में पदस्थ अमला पूर्ण रूप से लिप्त हैं। अवैध लोहों से भरे वाहनों को बगैर किसी जॉच के मप्र की सीमा क्षेत्र में पहुंचाया जा रहा है। इस अवैध कारोबार से राजस्व कर को भी भारी मात्रा में नुकसान भी पहुंचाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सीमा से मप्र में प्रवेश करने से पहले अनेक जांच दलों का सामना होता है। जहां पर वाहनो की जांच होनी चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है। जिले की सीमा के भीतर अवैध सामग्री कैसे प्रवेश हो रही है यह जॉच का विषय है। बगैर बिल-बाऊचर की अवैध सामग्री बड़ी मात्रा में जिले में पहुंचना जॉच नाकों की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रहा है। वाणिज्यकर विभाग अपनी लचर कार्यप्रणाली को लेकर आये दिन चर्चाओं में बना रहता है। जब भी कोई शिकायतकर्ता कर चोरी की शिकायत संबंधित विभाग के आला अधिकारियों को समय पर देता है तो शिकायतकर्ता की बात को सुनकर विभाग के अधिनस्थ कर्मचारी अवैध कारोबार को अंजाम देने वाले व्यापारियों को सूचित कर उन्हें सतर्क कर देते है ताकि शिकायतकर्ता दबाव बनाकर जांच करवाने मजबूर करे तो व्यापारी तब तक अपने काला कारोबार में सफेदी की चादर चढ़ा ले और इसके बदले में सूचना देने वाले को उचित नजराना देकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर ली जाती है। वाणिज्यकर विभाग के इस कारनामे से करोड़ो का राजस्व कर चोरी जिले में की जा रही है। नाके में पदस्थ अमला विधिवत वाहनों की संघन जॉच करे तो निश्चित बड़ा राजस्व शुल्क की वसूली जॉच के ही दौरान की जा सकती है। वहीं जिले में पदस्थ अमला भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन उचित ढंग से करे तो बड़ी मात्रा में जिले में जारी कर चोरी पर विराम लग सकेगा। कमीशनखोरी और महिना के नजराने ने कर चोरी को रोकने वाले हाथों को बांध दिया गया है। तभी तो लंबे समय से अवैध लोहा बिकवाली की मंडी में मण्डला जिला तब्दील हो चुका है। प्रतिदिन छत्तीसगढ़ सीमा से मंडला में लोहों से भरे वाहन प्रवेश कर रहे हैं और जॉच नाका में पदस्थ अमला बेखौफ होकर इन वाहनों को प्रवेश दे रहा है। वाणिज्यकर विभाग को कभी भी 57/5 के तहत किसी भी जिले में जॉच के लिए तैनात किया जाता है। उस जॉच के दौरान वाहनों की चैकिंग की जाती है। जॉच के नाम पर कुल मिलाकर यह कहा जाये कि विभाग में पदस्थ अमलों की चांदी हो जाती है तो यह अतिश्योत्ति नहीं होगी। वाहनों के जॉच के दौरान अवैध माल पाया गया तो निरीक्षक वाहन स्वामियों से माल के एवज में एक बड़ी राशि की पेशकश देकर वाहन छोड़ दिया जाता है। 57/5 के तहत विशेष अधिकार एसीटीओ को दिये जाते है ताकि विशेष कार्यवाही अवैध परिवहन करने वालों पर की जा सकें लेकिन उक्त विशेष अधिकार वाणिज्यकर विभाग के लिए अच्छी कमाई का जरिया बन चुका है। वहीं जिले में संचालित वाणिज्यकर विभाग में पदस्थ अमला हमेशा की तरह यही कहता है कि हमारे पास कार्यवाही करने के अधिकार नही हैं 57/5 के तहत कार्यवाही करने के दौरान यह अधिकार संभागीय उपायुक्त वाणिज्यकर कार्यालय द्वारा दिये जाते है। यह कहकर शिकायतकर्ता से पल्ला झाड़ लिया जाता है। शिकायतकर्ता को यह भी कहा जाता है कि शिकायत को यह भी कहा जाता है कि शिकायत करनी है तो संभागीय उपायुक्त कार्यालय में करें। कोई भी अवैधानिक सामग्री अन्य राज्य से दूसरे राज्य वाहनों में भरकर न ला सकें। इसके लिये चैक पोस्ट नाके बनाये गये हैं। इन नाकों में बकायदा अमला पदस्थ किया गया है। पदस्थ अमला अपनी जिम्मेदारी उचित ढंग से निर्वाहन कर रहा है या नही इसकी जानकारी जिम्मेदारी अधिकारी नही लेते। यही कारण है कि वर्षो से अवैध माल से भरे वाहन एक राज्य से दूसरे राज्य आसानी से पहुंच रहे हैं। इस अवैध कारोबार के संचालन से करोड़ो का राजस्व चोरी कर शासन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

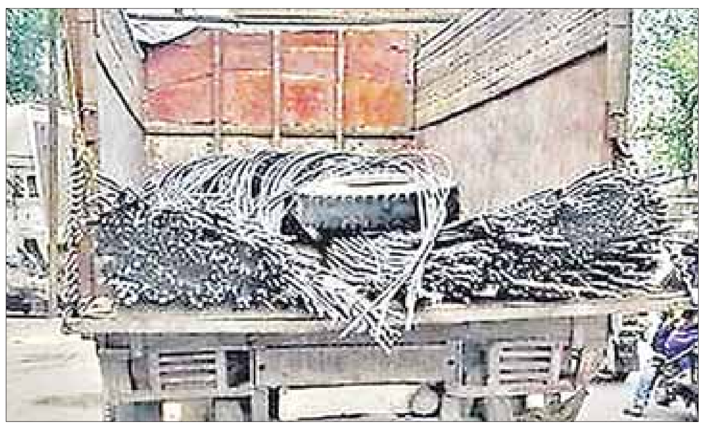

महिला बाल विकास की समीक्षा बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला पंचायत सभागृह में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए महिलाओं एवं बच्चों के सुपोषण संरक्षण तथा समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। बैठक में नवागत जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते, सहायक संचालक रोहित बड़कुल, श्रीमती लीना चौधरी, जिले के समस्त परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, डीसी एवं बीसी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूर्ण ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं से संबंधित वास्तविक एवं सही आंकड़े समय पर प्रस्तुत किए जाएं तथा किसी भी प्रकार की जानकारी छिपाई न जाए। उन्होंने पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने सेक्टर के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें जिससे केंद्रों का संचालन सुचारु रूप से हो सके। साथ ही उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप सहित अन्य आवश्यक जानकारियों को समय पर अद्यतन कराने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जन-कल्याणकारी शिविर सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के विशेष अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम पंचायत देवरी में खण्ड स्तरीय जन-कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम के सरपंच करन सिंह वरकडे, जनपद पंचायत के पीसीओ श्रीमती वंदना विश्वकर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान कुल 34 आवेदन प्राप्त हुए। राजस्व विभाग के 08 आवेदन, जनपद पंचायत के 22 आवेदन, स्वास्थ्य विभाग के 02 आवेदन, विद्युत विभाग का 01 आवेदन, महिला एवं बाल विकास विभाग का 01 आवेदन प्राप्त हुआ।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ी खैरी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीणों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई तथा चिकित्सकों से परामर्श लेकर आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं दवाइयों का लाभ प्राप्त किया शिविर के दौरान लोगों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव स्वच्छता संतुलित आहार तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति भी जागरूक किया गया ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की आवश्यकता बताई विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा सप्ताह का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा कार्यों को पहुंचाना है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान सहित अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है संगठन का प्रयास है कि सेवा संस्कार और समाजहित के कार्यों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी कार्यकर्ता स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

निरंजन ठाकुर ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नियुक्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी लगन और निष्ठा से कार्य करते आ रहे निरंजन ठाकुर को ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी ईमानदारी व निष्ठा को देखते हुए कमेटी के संस्थापक राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नबी खान के द्वारा नैनपुर अलीपुर निवासी निरंजन सिंह ठाकुर को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है । राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नबी खान ने पूर्ण विश्वास से अपने पद की गरिमा रखते हुए ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जुड़े साथियों को संगठित कर उनके हित में कार्य करने तथा कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का विश्वास जताया है। इस नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष डा. अशोक मर्सकोले , नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धर्मेश तिवारी व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दामोदर ठाकुर सहित कार्यकारणी व पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने निरंजन ठाकुर को बधाई शुभकामनाए देते हुए कांग्रेस पार्टी संगठन को मजबूत बनाने कार्य करने की अपेक्षा जताते हुए उज्वल भविष्य की कामना किया है।

नियम तोड़ने वालों पर लगा जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत नगर क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन पर प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता एवं चालानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान व्यापारियों को प्लास्टिक का उपयोग बंद करने तथा स्वच्छता नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया अभियान के अंतर्गत सुपर मार्केट शास्त्री मार्केट एवं चौपाटी मार्केट क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा के साथ वार्ड पार्षद सुधीर मिश्रा, नरेश कछवाहा, श्रीमती कामनी चौधरी, श्रीमती प्रतिभा साहू एवं दिनेश चौधरी उपस्थित रहे अभियान में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी वार्ड सुपरवाइजर तथा अल्ट्रा क्लीन जबलपुर की टीम ने भी सहभागिता निभाई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 का जुर्माना करते हुए समझाईश दी गई। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने व्यापारियों से सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग एवं भंडारण पूरी तरह बंद करने तथा नागरिकों से बाजार जाते समय कपड़े के थैले का उपयोग करने का आग्रह किया।

राधाकृष्ण मंदिर में भव्य गुलाब फूल बंगला एवं नौका विहार उत्सव आज

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में आज शाम 6 बजे से भव्य गुलाब फूल बंगला एवं नौका विहार उत्सव का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के आयोजक गोविंद प्रसाद सोनी के द्वारा ठाकुर जी के दिव्य दर्शन एवं अलौकिक नौका विहार उत्सव पर उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने नगर क्षेत्र के भक्त श्रद्धालु जनों से अपेक्षा जताई गई है।

नि :शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या हाईस्कूल मोहगांव में गुरुवार को छात्राओं के लिए नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जनपद एवं ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शिवकुमार मिश्रा अड्डू भैया, जनपद सदस्य बोधसिंह मरकाम, ग्राम पंचायत मोहगांव माल सरपंच श्रीमती गुड्डी बाई भारतीया तथा सदस्य पंच इमरान खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे अतिथियों ने छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने शिक्षा के प्रति समर्पित रहने एवं उज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि शासन की यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने और उनकी पढ़ाई को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मंडला

ULB Code - 80237

क्र./स्व.भा.मि./2026/631 दिनांक: 09/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित किए गए हैं जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं और निकाय सीमाक्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं। उक्त नियम के नियम क्र.3(झ/i),6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG)) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है:-

भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाईयां जो निम्नलिखित मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो:-

(i) 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area)वाले भवन या
(ii)प्रतिदिन 40,000लीटर पानी की खपत या
(iii) प्रतिदिन 100 किलो ग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

तदानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल/रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पाद को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

1. सभी थोक कचरा उत्पादको को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल(Centarlised Portal)पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना।
3.एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।
4.पिट कम्पोस्टिंग, बायोगैस या ओ.डब्ल्यू.सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5.प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयरटेकर को नियुक्त करना।
6.निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।
7.संस्थान से निकलने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8.प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना।
9.यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR) Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें।
10.ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क्रं. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

:- उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध अर्थ दण्डात्मककार्यवाही की जावेगी एवं प्रतिदिन के मान से अर्थ दण्ड आरोपित किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

कार्यालय नगर परिषद भुआ बिछिया जिला मंडला

ULB Code - 802375

क्र./स्व.भा.मि./2026/377 दिनांक: 9/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित किए गए हैं जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं और निकाय सीमाक्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं। उक्त नियम के नियम क्र.3(झ/i),6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG)) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है:-

भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाईयां जो निम्नलिखित मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो:-

(i) 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area)वाले भवन या
(ii)प्रतिदिन 40,000लीटर पानी की खपत या
(iii) प्रतिदिन 100 किलो ग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

तदानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल/रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पाद को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

1. सभी थोक कचरा उत्पादको को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल(Centarlised Portal)पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना।
3.एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।
4.पिट कम्पोस्टिंग, बायोगैस या ओ.डब्ल्यू.सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5.प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयरटेकर को नियुक्त करना।
6.निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।
7.संस्थान से निकलने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8.प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना।
9.यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR) Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें।
10.ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क्रं. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

:- उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध अर्थ दण्डात्मककार्यवाही की जावेगी एवं प्रतिदिन के मान से अर्थ दण्ड आरोपित किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद भुआ बिछिया

स्वास्थ्यकर्मियों को दिया प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले में मलेरिया एवं जापानी एन्सेफेलाइटिस की रोकथाम एवं नियंत्रण को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी राम शंकर साहू ने प्रतिभागियों को मलेरिया एवं जापानी एन्सेफेलाइटिस के लक्षण बचाव समय पर जांच तथा उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में मच्छरों से फैलने वाले रोगों का खतरा बढ़ जाता है इसलिए समय रहते रोकथाम के उपाय अपनाना आवश्यक है।

आईसीटीसी केंद्र का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य स्तर से जिला भ्रमण पर आई श्रीमती सविता ठाकुर संयुक्त संचालक आईईसी एवं मॉनिटरिंग सह नोडल अधिकारी मिशन एड्स सुरक्षा ने जिला अस्पताल और आईसीटीसी केंद्र का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र के विभिन्न रिकॉर्ड्स का बारीकी से अवलोकन किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया अस्पताल के निरीक्षण के पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभागार में संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने एड्स नियंत्रण और सुरक्षा से जुड़े सम्पूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की।

उद्यम जागरूकता कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की रैम्प सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन में वृद्धि एवं तीव्रता लाने की योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द के सहयोग से परम-आनंद रेस्टोरेंट एंड कैफे में आयोजित दो दिवसीय समेकित सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम जागरूकता कार्यशाला का गुरुवार को समापन हुआ कार्यशाला के दूसरे दिन जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के संचालकों नवप्रवर्तक उद्यमियों युवा उद्यमियों तथा स्वयं सहायता समूहों को गुणवत्ता उन्नयन, बौद्धिक संपदा संरक्षण, डिजिटल व्यवसाय विस्तार, आधुनिक विपणन प्रणालियों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

6.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में मानसून की गतिविधियां जारी हैं। 9 जुलाई को जिले में 6.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। हालांकि, इस वर्ष अब तक वर्षा का आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम बना हुआ है अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 जून से 9 जुलाई 2026 तक जिले में 255.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 810 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई थी इस प्रकार इस वर्ष अब तक 554.3 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है।

दावों के निराकरण पर निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित दावों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारी पात्र हितग्राहियों के दावों का समय-सीमा में परीक्षण एवं निराकरण सुनिश्चित करें। इस संबंध में सहायक आयुक्त कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित कर लम्बित दावों के परीक्षण तथा नियमानुसार समुचित अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समिति के समक्ष आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के संबंध में चर्चा की गई।

संपादकीय

पूरा ट्रस्ट ही बदलना चाहिए

आखिरकार राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर उन्हें ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया। इस निर्णय में 'मजबूरी' झलकती रही, क्योंकि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने चंपत राय को 'महापुरुष' और 'संत-साधु' करार दिया। ट्रस्ट ने चंपत को 'आरोपित' ही नहीं किया। ट्रस्ट ने बैठक में यह जरूर स्वीकार किया कि राम मंदिर के प्रबंधन में कई खामियां थीं, लिहाजा चंदा-चढ़ावे की चोरी संभव हो सकी। कई अनियमितताएं और विसंगतियां थीं, लिहाजा 'चोर' ही दान का धन गिनते रहे और 70 बार चोरी करते रहे। यह विशेष जांच दल का शुरुआती निष्कर्ष बताया गया है। इस 'महापाप' से सभी आहत, दुखी और लज्जित हैं। चंपत राय और अनिल मिश्रा समेत समूचा ट्रस्ट परोक्ष रूप से दोषी है, लिहाजा ट्रस्ट को भंग करके नई व्यवस्था तय करनी चाहिए थी।

यह प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्रालय की थी, लेकिन जो अंतिम निष्कर्ष सामने आया है, उससे स्पष्ट है कि ट्रस्ट पर संघ परिवार का 'वर्चस्व' है, उसकी प्रशासनिक, धार्मिक इकाई ही बना रहेगा। वर्चस्व आरएसएस, विहिप और संघवादी संतों का ही रहेगा, लिहाजा संघ के बुनियादी प्रचारक रहे दो चेहरे बाहर करने पड़े, तो उनका विकल्प भी संघवादी कृष्ण मोहन को चुना गया। भारतीय वन सेवा अधिकारी रहे कृष्ण मोहन 2012 से ही आरएसएस में सक्रिय हैं और प्रचारक भी रहे हैं। अब उन्हें राम मंदिर का पवित्र दायित्व सौंपा गया है। अभी उन्हें 'अंतरिम महासचिव' कहा जा सकता है। ट्रस्ट ने यह विमर्श नहीं किया कि आखिर चंपत राय और अनिल मिश्रा को इतना निरंकुश और ताकतवर किसने और क्यों बनने दिया गया? उनकी मनमानियां कैसे चलती रहीं? करीब 114 करोड़ रुपए के भूमि-सौदे उन्हें ही क्यों करने दिए गए, जबकि इन जमीनों की कीमत 20-25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है? क्या यह बड़ा घोटाला नहीं है?

ट्रस्ट 'सामूहिक जिम्मेदारी' का संगठन होता है, लिहाजा समूचा ट्रस्ट ही बदलना चाहिए था। जो साधु-संत किस्म के चेहरे ट्रस्ट में हैं, उन्हें प्रशासन, प्रबंधन, वित्तीय अंकुश और निगरानी का कोई अनुभव नहीं है, तो फिर करोड़ों रुपए के दान, चंदे, चढ़ावे का दायित्व उन्हें क्यों सौंपा गया? राम मंदिर आंदोलन के दौरान असंख्य लोगों ने योगदान दिया था, 'राम-राम' के उद्घोष किए थे, बलिदान भी दिए थे, उनमें से अधिकतर मंदिर की सीमा से बाहर ही हैं। वे भी आज पीड़ित, व्यथित होंगे! आंदोलन की सक्रियता ट्रस्ट में शामिल होने की गारंटी नहीं है। संविधान में तो यह प्रावधान नहीं है कि ट्रस्ट में सिर्फ संघ परिवार की ही सदस्यता होगी। 'हिंदू' तो गैर-संघी भी हो सकता है और प्रशासनिक अनुभव का धनी भी हो सकता है, लेकिन राम मंदिर पर संघ का ही 'अघोषित कब्जा' है। सवाल यह भी गंभीर है कि चंपत राय को ट्रस्ट से बाहर किया जा रहा था, तो बैठक में उनका अभिनंदन क्यों गाया गया? कोषाध्यक्ष गोविंद देव ने उन्हें 'निष्कलंक' और 'निरापराधी' माना है। उन्होंने कहा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान और उसके बाद चंपत राय की सेवाओं, कार्यों, तप-त्याग और भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। चंपत राय से 'असावधानी' में भूल हो गई, लिहाजा उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। क्या गोविंद देव कोई 'न्यायाधीश' हैं, जो ऐसा फैसला सुनाया है? ऐसे पाक-साफ व्यक्ति का ट्रस्ट ने इस्तीफा क्यों मंजूर किया? ऐसे कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। देखते हैं कि नई व्यवस्था क्या फैसले लेती है?

जाति और धर्म के बिना राजनीति की कल्पना बेमानी

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

बिहार में जातिवादी राजनीति के गढ़ भोजपुर में सवर्ण युवक भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हत्या ने अप्रत्याशित सामाजिक बदलाव को उजागर किया है। दलित और पिछड़े समुदाय भी न्याय के लिए सड़कों पर उतर आए हैं, जो राज्य में पारंपरिक जातिगत दीवारों को तोड़ते हुए एक नए सामाजिक सद्भाव का संकेत है। यह जनाक्रोश बिहार की राजनीति और सामाजिक सोच के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था।

इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहना था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा। इतिहास

बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं।

भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। बस उसके लिए चिंगारी की जरूरत होती है। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा, जिसमें समायोजन होगा और मेलजोल भी।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।

मोदी का हिन्द प्रशांत मिशन

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत-इंडोनेशिया संबंध 2 हजार वर्षों से भी गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देश महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी भी हैं, जिनकी समुद्री सीमाएं भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच लगभग 300 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। इंडोनेशिया की आजादी में भी भारत ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इंडोनेशिया पहले नीदरलैंड का उपनिवेश था लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने उस पर कब्जा कर लिया था। 1945 में जापान की हार के बाद इंडोनेशिया ने स्वयं को आजाद देश घोषित कर दिया था लेकिन नीदरलैंड और अन्य देश मानने को तैयार नहीं थे। जब इंडोनेशिया और डच सेना में भीषण लड़ाई शुरू हुई तो तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक जो शुरूआती जीवन में एक पालयट थे, को इंडोनेशिया के शीर्ष नेतृत्व को बचाकर भारत लाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

तब बीजू पटनायक भारतीय वायुसेना का डेकोटा विमान लेकर इंडोनेशिया पहुंच गए थे और वे ही इंडोनेशिया के नेता सुकर्णो और सुल्तान शहरयार को बचाकर दिल्ली ले आए थे। इंडोनेशिया को 1949 में आजादी मिली। दोनों देशों के संबंधों का इतिहास बहुत स्वर्णिम रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सुकर्णो के साथ मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे के दौरान दोनों देशों में 20 अहम समझौते हुए। इन समझौतों में सबसे महत्वपूर्ण डील इंडोनेशिया द्वारा भारत से ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइल खरीदने की रही लेकिन समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दोनों देशों का रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबांग बंदरगाह को मिलकर विकसित करने का फैसला अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिन्द प्रशांत पर अपने विजन के अनुरूप कूटनीतिक दांव खेल दिया है। भले ही यह फैसला सिर्फ एक आर्थिक डील दिखाई दे लेकिन वास्तव में यह हिन्द महासागर में भारत का बहुत बड़ा मास्टर स्ट्रोक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जकार्ता, ऑकलैंड और मेलबॉर्न यात्रा का उद्देश्य ही हिन्द प्रशांत समुद्री इलाके के नक्शे को फिर से बनाना है। इससे यहां रहने वाली ताकतों को स्वायत्तता वापिस मिलेगी और यह इलाके की कहानी को सबका साथ और सबका विकास पर केन्द्रित करेगा।

भारत सहयोग की एक नई ज्यॉमैट्री की कल्पना करता है जो चीन और अमेरिका द्वारा बनाए गए नियमों पर निर्भर न हो, बल्कि यहां रहने वाले देशों द्वारा खुद बनाई गई हो। साबांग बंदरगाह के जरिये भारत सीधे चीन की सबसे दुखती रग यानि मलक्का स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बढ़ाएगा। सिर्फ यही नहीं इंडोर्नेशिया के पास ऐसे कई समुद्री चोक प्वायंट्स हैं जहां से दुनिया के कई बड़े देशों की इकोनॉमी को कंट्रोल किया जा सकता है। साबांग बंदरगाह भारत के पोर्ट ब्लेयर से महज कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इन दोनों के बीच बढ़ते गहरे तालमेल के बाद भारत हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों पर अपनी पकड़ को अभूतपूर्व रूप से मजबूत, कर लेगा। भारत और इंडोनेशिया की यह जुगलबंदी इन समुद्री रास्तों के मुहाने पर एक ऐसी मजबूत दीवार की तरह काम करेगी, जिसे लांघ पाना किसी भी दुश्मन नौसेना के लिए मुमकिन नहीं होगा।

इस डील का सबसे बड़ा एंडगेम ये है कि दोनों देश मिलकर पूरे 'इंडो-पैसिफिक' क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही का 'रीयल-टाइम डेटा' यानी पल-पल की खुफिया जानकारी आपस में साझा करेंगे। मलक्का जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे व्यस्त और रणनीतिक रूप से सबसे संवेदनशील समुद्री रास्ता है, जो हिन्द महासागर को दक्षिणी चीन से जोड़ता है। आंकड़ों की बात करें तो दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का लगभग 25 से 30 प्रतिशत हिस्सा अकेले इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। हर साल इस रास्ते से 90,000 से अधिक मालवाहक और व्यापारिक जहाज गुजरते हैं। आर्थिक मूल्य के लिहाज से देखें तो हर साल खरबों डॉलर का सामान इसी रास्ते से दुनिया भर में सप्लाई होता है। ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से ये रास्ता और भी भयानक है। दुनिया भर में समुद्र के रास्ते होने वाले कुल कच्चे तेल के व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रूट से जाता है। हर रोज इस संकरे रास्ते से लगभग 16 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है। सबसे बड़ी बात ये है कि चीन अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल इसी मलक्का स्ट्रेट के जरिए मंगाता है। साबांग पोर्ट पर भारत की पहुंच होने के बाद, भारतीय नौसेना चीनी नौसेना के युद्धपोतों और उसके तेल टैंकरों जैसी हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर गिद्ध जैसी नजर रख सकती है। अगर कभी युद्ध या भारी तनाव की स्थिति बनी तो भारत के पास इस चोक प्वाइंट को पूरी तरह ब्लॉक करने की क्षमता होगी जिससे चीन तड़प उठेगा।

इंडोनेशिया द्वारा ब्रह्मोस और अस्त्र मिलाइल की खरीद भी चीन को परेशान करने वाली है। दोनों देशों के बीच क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इंडोनेशिया के क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में चीन का भारी निवेश और दबदबा है और इस पर डील चीन को एक तरह से कूटनीतिक जवाब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इंडोनेशिया की संसद में खड़े होकर चीन को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की नीतियां विस्तारवादी नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने इशारों ही इशारों में पाकिस्तान को भी निशाना बनाया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियातो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में बहुत मजबूती आई है। दोनों देशों का लक्ष्य तकनीकी, सांस्कृतिक और बहुपक्षीय कोशिशों के माध्यम से सहयोग बढ़ाना और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करना है।

सुख और दुख तो जीवन के स्वाद हैं

खलील जिब्रान

मनुष्य सुख को मित्र और दुख को शत्रु समझता है। वह चाहता है कि एक उसके साथ रहे और दूसरा हमेशा के लिए चला जाए। लेकिन, जीवन ने इन दोनों को कभी अलग नहीं किया। ये एक ही वृक्ष की दो शाखाएं हैं, जिनमें एक पर फूल खिलते हैं, तो दूसरी पर पत्ते झड़ते हैं। पर, रस दोनों एक ही जड़ से पाते हैं।

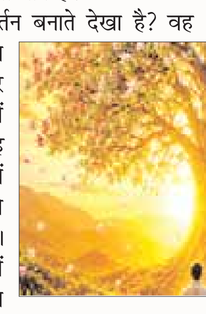

क्या आपने कुम्हार को बर्तन बनाते देखा है? वह मिट्टी को थपथपाता है, दबाता है, चाक पर भी घुमाता है और फिर आग में तपाता है। तब कहीं जाकर बर्तन बनता है। उसी तरह हृदय भी जीवन की अग्नि में तपता है, ताकि वह आनंद को धारण करने की क्षमता पा सके। यदि जीवन में कभी दुख नहीं आए, तो फिर हृदय इतना विशाल कैसे बनेगा कि उसमें आनंद का महासागर समा सके? हम अक्सर कहते हैं-'मैं केवल सुख चाहता हूं।' पर, क्या ऐसा संभव है? क्या कभी ऐसा हुआ है कि केवल दिन ही हो और रात न आए? केवल वसंत ही हो और पतझड़ न आए? यदि ऐसा हो, तो ऋतुएं अपना अर्थ खो देंगी। इसी तरह यदि जीवन में केवल आनंद ही होता, तो हम उसे पहचान भी नहीं पाते। आनंद कोई स्थायी महल नहीं है, जिसमें मनुष्य सदा के लिए बस जाए। वह तो सुबह की ओस की बूंद के समान है, जो सूरज की पहली किरण के साथ चमकती है और फिर विलीन हो जाती है। पर, उसका विलीन होना व्यर्थ नहीं है, वह धरती में उतर कर फिर किसी नए फूल का जीवन बन जाती है। इसलिए, जब आनंद आपके पास आए, तो उसे कैद न करें। उसे खुला आकाश दें। वह जितनी स्वतंत्रता से आएगा, उतनी ही सुंदर स्मृति बनकर जाएगा। और, जब दुख आए, तो उसके लिए भी अपने दरवाजे बंद मत करिए। दुख एक मौन शिक्षक है। वह यह दिखाने आता है कि हमारा हृदय किन चीजों से बंधा है।

सुख और दुख दो अलग नहीं, बल्कि एक ही रास्ते के दो पड़ाव हैं। अगर आज आंखों में आंसू हैं, तो उन्हें छिपाने का प्रयास न करें। यही आंसू कल मुस्कान को गहराई देंगे। जो व्यक्ति कभी रोया नहीं, उसकी हंसी भी सतही होती है। पर, जिसने अपने भीतर दुख का समुद्र पार किया है, उसकी मुस्कान में करुणा, विनम्रता होती है और एक ऐसा प्रकाश होता है, जो दूसरों के अंधकार को भी थोड़ा कम कर देता है। इसलिए, किसी भी सुख को अंतिम और दुख को शाश्वत न समझें। जीवन आपको बार-बार खाली करेगा और फिर भर देगा। यह रिक्त होना और भरना ही उसका संगीत है। बांसुरी इसलिए मधुर बजती है, क्योंकि वह भीतर से खोखली होती है। यदि वह अपने भीतर सब कुछ भर लेती, तो संगीत जन्म न लेता। इसलिए हृदय को खुला रखें। जब आनंद आए, उसका स्वागत करें। जब दुख आए, तो उसे भी अतिथि की तरह स्थान दें। अंततः आप पाएंगे कि दोनों आपको एक ही सत्य की ओर ले जा रहे थे, उस सत्य की ओर, जहां मनुष्य बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने भीतर के प्रकाश से जीना सीखता है। तभी आप वास्तव में जीवन का स्वाद चख पाएंगे।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए?

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है?

क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है?

क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल

निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं?

क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है?

क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां?

क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला?

क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं?

क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है?

देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?

दिल्ली-महाराष्ट्र में ढहीं इमारतें, उत्तराखंड से गुजरात तक देश के कई राज्यों में आफत की बारिश

नई दिल्ली

दिल्ली, मुंबई, गुजरात, महाराष्ट्र, केरल और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश का कहर जारी है। भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव, बाढ़ भूस्खलन और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार से दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने 17 राज्यों में भीषण बारिश के साथ आंधी और तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है। बारिश और बाढ़ के कारण कहां कितना हुआ नुकसान? आइए जानते हैं देशभर के अलग-अलग राज्यों का हाल...

महाराष्ट्र में 300 सिलिंडर पानी में बहे

महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें 3 हजार एलपीजी सिलेंडर पातालगंगा नदी में बहते हुए दिखाए दे रहे हैं। यह वीडियो रायगढ़ में एचपीसीएल पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का है। अधिकारियों के अनुसार, प्लांट की दीवार गिर गई। इसके बाद बाढ़ का पानी सीधे प्लांट के अंदर घुस गया और इसके कारण हजारों सिलिंडर बहकर पातालगंगा नदी और खारपाड़ा क्रीक में चले गए। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ में कचरे का बड़ा ढेर गिरने से एक तीन मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें 16 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं। महाराष्ट्र में लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और कई स्थानों पर जलभराव तथा भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। नासिक में गोदावरी नदी उफान पर है। वहीं, मुंबई में भारी बारिश के कारण लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। बीते बुधवार को मध्य प्रदेश के 27 जिलों में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा दमोह में 1.75 इंच बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण नदियों के जलस्तर बढ़ने लगे हैं। इस बीच खरगोन में रूपारेल नदी के तेज बहाव में एक युवक बह गया।

उत्तराखंड में भूस्खलन

उत्तराखंड में भी भारी बारिश का कहर जारी है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बुधवार को भारी बारिश हुई। उत्तरकाशी में नालूपानी और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। वहीं, टिहरी में बुधवार को एनएच-707ए पर दुकानों के पास लैंडस्लाइड में एक मकान गिर गया।

गुजरात के सूरत में कम से कम 13 लोगों की मौत

गुजरात के सूरत में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बुधवार को कई जगहों पर घरों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और दुकानों में घुस गया। सूरत के निचले इलाकों से 3,400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया और 3,800 से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर भेजा गया। बुधवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में सूरत में आई बाढ़ में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में से अधिकतर की मौत डूबने से हुई। सबसे अधिक मौतें दिंडोली पुलिस थाना क्षेत्र से दर्ज की गईं, जहां 59 वर्षीय एक व्यक्ति सहित चार शव बरामद किए गए।

केरल में 5 लोगों की मौत

केरल के वायनाड में सुरंग सड़क निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। एक शव बरामद किया गया है, चार लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। यह भूस्खलन 7 जुलाई को वायनाड और कोझिकोड जिलों को जोड़ने वाली अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पडी सुरंग परियोजना स्थल के पास हुआ। लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। वायनाड जिले में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट (जो अभी बन रहा है) के पास हुए भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुआ एक घर दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद लगातार तीसरे दिन भी बचाव कार्य जारी है।

यूपी में आकाशीय बिजली गिरने से 3 किसानों की मौत

उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश शुरू है। लगातार हो रही बारिश के बीच वज्रपात में बुधवार को देवरिया, पीलीभीत और इटावा में तीन किसानों की मौत हो गई, जबकि आगरा, बदायूं और मथुरा में मकान व दुकान ढहने से कई लोग घायल हो गए।

दिल्ली में 4 लोगों की मौत

दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में एक पांच मंजिला नवनिर्मित इमारत बुधवार शाम को गिर गई। इमारत के मलबे में दबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे के लिए दिल्ली में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया है। अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। इसके साथ ही बिजली चमकने और तीव्र बारिश होने की संभावना है।

अमेरिकी हमलों की दूसरी रात के बाद ईरानी नेतृत्व ने ट्रंप को चेताया, 'हमला करोगे तो जवाब मिलेगा'

तेहरान, (वार्ता)

अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरी रात हमलों के आदान-प्रदान के बाद ईरानी नेतृत्व ने अमेरिकी प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य अभियान का दायरा होर्मुज जलडमरूमध्य से आगे बढ़ाते हुए ईरान के रणनीतिक बंदरगाह शहर चाबहार तक कर दिया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने नवीनतम अमेरिकी हमलों के जवाब में बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी प्रतिष्ठानों और अवसंरचनाओं पर संयुक्त मिसाइल एवं ड्रोन हमले किये हैं। आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने हमले जारी रखे तो क्षेत्र में अन्य अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया जाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष एवं देश के प्रभावशाली नेताओं में शामिल मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा, अगर आप हमला करेंगे, तो आपको भी जवाबी हमला झेलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अब तक यह नहीं सीखा है कि धौंस और वादाखिलाफी की अब कीमत चुकानी पड़ती है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अमेरिका को हमलों के लिए अपने क्षेत्र, सैन्य अड्डों या अवसंरचना के इस्तेमाल की अनुमति देने वाला कोई भी नाटो देश ईरान के खिलाफ कथित अकारण आक्रमण और उसके परिणामों के लिए जिम्मेदार माना जाएगा। इससे एक दिन पहले नाटो महासचिव मार्क रूटे ने अमेरिकी हमलों को 'पूरी तरह आवश्यक' करार दिया था। श्री बघाई ने उनकी टिप्पणी को खारिज करते हुए उन पर युद्ध में जानबूझकर मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

युद्धविराम टूटने के श्री ट्रंप के एलान बाद अमेरिका ने पहली बार ईरान के दक्षिण-पूर्वी रणनीतिक बंदरगाह शहर चाबहार को निशाना बनाया। ओमान की खाड़ी के तट पर होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर स्थित चाबहार ईरान का एकमात्र गहरे पानी वाला समुद्री बंदरगाह है। यह हिंद महासागर का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार होने के साथ भारत के बड़े निवेश का केंद्र भी है, जो दक्षिण एशिया को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से जोड़ता है। हमलों के बाद चाबहार के कुछ हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। ईरानी मीडिया के अनुसार प्रभावित तीन विद्युत लाइनों में से दो को बहाल कर दिया गया है और तीसरी को भी जल्द चालू किये जाने की उम्मीद है। कोनारक, बंदर अब्बास, सिरिक और जास्क में भी विस्फोटों की खबरें हैं। सरकारी टेलीविजन के मुताबिक बंदर अब्बास में आठ विस्फोट हुए, जबकि सिरिक और जास्क पर मिसाइल हमले किये गये। अबू मूसा द्वीप पर भी दो मिसाइल गिरने की सूचना है। इस बीच, बुशहर में आईआरजीसी के एक बैरक में आग लग गयी।

दूसरी ओर, अमेरिकी सेना ने गुरुवार तड़के लगभग 90 ठिकानों पर हमले किये, जबकि इससे पिछली रात करीब 80 ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अधिकांश हमले ईरान के दक्षिणी तट पर केंद्रित रहे, हालांकि कुछ हमले देश के अंदरूनी और उत्तरी क्षेत्रों तक भी पहुंचे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दो रातों के अमेरिकी हमलों में अब तक 14 लोगों की मौत हुई है और 78 अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमानपुर ने कहा कि घायलों में 47 अभी अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि अन्य को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी है। ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिका ने तेहरान के उत्तर-पूर्व में अक्काला स्थित एक रेलवे पुल को निशाना बनाया। उधर, श्री ट्रंप ने इस सप्ताह अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान कहा कि लड़ाई दोबारा शुरू होने के बाद वे अब सत्ता से बाहर हो सकते हैं। उनकी इन टिप्पणियों पर ईरानी नेतृत्व ने कड़ी नाराजगी जतायी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने श्री ट्रंप की बयानबाजी की निंदा करते हुए कहा कि ईरानी उनके अपमानजनक शब्दों का जवाब अपने कार्यों से देंगे। श्री अराघची ने 'एक्स' पर लिखा, ईरान के सभ्य और साहसी राष्ट्र को अपमानजनक भाषा में संबोधित करने से उसकी महानता कम नहीं होती।

ईरान की शर्तों पर ही खुलेगा होर्मुज जलडमरूमध्य : गालिबाफ

मॉस्को, (वार्ता/स्पूतनिक)

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर ग़ालिबाफ ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिका की धमकियों पर नहीं, बल्कि ईरान की शर्तों पर ही दोबारा खोला जाएगा।प्रेस टीवी के अनुसार, श्री ग़ालिबाफ ने कहा, अमेरिका ने अभी तक यह नहीं सीखा है कि धौंस जमाने और अपनी प्रतिबद्धताएं तोड़ने की अब कीमत चुकानी पड़ती है। मैं स्पष्ट कर दूं कि यदि आप हमला करेंगे, तो जवाबी हमला झेलेंगे। व्यर्थ संघर्ष मत कीजिए, इससे आप और गहरे संकट में फंसेंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य केवल ईरानी व्यवस्था के तहत खुलेगा, अमेरिकी धमकियों से नहींइससे पहले ईरानी मीडिया ने फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप तथा ईरान के ईरानशहर, चाबहार, कोनारक, सिरिक, जास्क और बंदर अब्बास शहरों में विस्फोटों की सूचना दी। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार बंदर अब्बास में वायु रक्षा बलों ने शहर के आसमान में अमेरिकी लक्ष्यों पर गोलीबारी की।

अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान पर कई हमले किये थे। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिक्ष्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों के जवाब में यह कार्रवाई की गयी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बाद कहा कि युद्धविराम अब प्रभावी नहीं रहा। ईरान ने अमेरिका पर दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किये।

अल मायदीन टीवी के अनुसार हवाई हमले की चेतावनी के बीच बहरीन में विस्फोटों की आवाजें सुनी गयीं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, सायरन बजा दिया गया है। नागरिकों और निवासियों से शांत रहने तथा निकटतम सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया जाता है। ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम समझौता समाप्त घोषित किया, परमाणु वार्ता पर जताई निराशा

25 महीने में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 16 करोड़ की ठगी

हावड़ा । महज 25 महीने में निवेश की राशि दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) की टीम ने एक फर्जी निवेश कंपनी के तीन निदेशकों सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में कंपनी के निदेशक सुजय कांजीलाल, उनकी मां नमिता कांजीलाल, पत्नी सुद्रिशा कांजीलाल तथा तीन कर्मचारी तनुश्री बंद्योपाध्याय, अनिर्बाण कुंडू और अभिषेक पाल शामिल हैं। हावड़ा सिटी पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट के उपायुक्त (डीसीपी) आइपीएस राहुल मिश्रा ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, हावड़ा के बेलिलियस रोड निवासी एक शिकायतकर्ता द्वारा बांतरा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी की जांच के दौरान ये गिरफ्तारियां की गई। आरोप है कि मई 2024 में आरोपितों ने शिकायतकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों को 25 महीने के भीतर निवेश की राशि दोगुनी करने का प्रलोभन देकर कुल 13 लाख रुपये निवेश कराए। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए कुछ रकम वापस की गई, लेकिन बाद में भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया गया।

कलकत्ता हाइकोर्ट ने शर्त के साथ ममता बनर्जी को टीएमसी के फ्रीज बैंक खाते से रकम निकालने की अनुमति दी

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता बनर्जी के गुट को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी के रोजाना खर्चों को संभालने के लिए पार्टी के फ्रीज किए गए 3 बैंक खातों से पैसे निकालने के लिए अनुमति दे दी है। अदालत ने इसके लिए एक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तीनों बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। आरोप लगा था कि ये तीनों खाते अपराध से मिली रकम रखने की जगह थे। अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर, 2026 तक ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के रोजाना के खर्चों को चलाने के लिए स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया।

तीनों बैंक खातों के दो अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता स्पेशल ऑफ़िसर के सामने चेक पेश करेंगे, जिसे बाद में कैश कराने के लिए बैंक अथॉरिटी को दिया जाएगा। अदालत ने साफ किया है कि राजनीतिक पार्टी चलाने के लिए रोजाना के खर्चों हेतु बैंक खाते ऑपरेट करने की अनुमति है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने टीएमसी के कानूनी खर्चों और स्पेशल ऑफिसर के 1.25 लाख रुपये प्रति माह के मानदेय को पूरा करने के लिए ट्रांजैक्शन की अनुमति दी।

कोर्ट ने बैंक अथॉरिटी से तीनों खातों के इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और बैंकिंग डेटा को सुरक्षित रखने और चल रही पुलिस जांच में सहयोग करने को भी कहा।

बेंगलुरु के एआरसी कैंसर अस्पताल में निजी अस्पतालों से 40 प्रतिशत सस्ता मिल रहा है इलाज

बेंगलुरु, (वार्ता)। एआरसी कैंसर केंद्र ने गुरुवार को घोषणा की कि वह कॉर्पोरेट अस्पतालों की तुलना में 30-40 प्रतिशत कम खर्च पर कैंसर का इलाज करेगा और एक ही स्थान पर कैंसर से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं (ऑन्कोलॉजी सेवाएं) उपलब्ध कराएगा। एआरसी कैंसर अस्पताल के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. दिनेश माविनाहल्ली गंगौया ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कैंसर के इलाज में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि मरीज़ अक्सर बढ़ते खर्च और अलग-अलग तरह के इलाज के लिए कई अस्पतालों के बीच भाग-दौड़ करने की ज़रूरत के कारण बीच में ही इलाज छोड़ देते हैं। यह नया केंद्र कॉर्पोरेट अस्पतालों और सरकारी संस्थानों के बीच के अंतर को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसके लिए यह काफी किफायती कीमतों पर एकीकृत और प्रोटोकॉल-आधारित इलाज की सुविधा दे रहा है। डॉ. दिनेश ने बताया कि कैंसर के व्यापक इलाज में कई तरह की इलाज पद्धतियां सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, साइको-ऑन्कोलॉजी, फिजियोथेरेपी और पैलिएटिव केयर शामिल होती हैं। इन सभी सेवाओं को एक ही जगह पर उपलब्ध कराने से इलाज में होने वाली देरी कम होगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मैसा के लिए रश्मिका मंदाना ने शूट किया भारत का पहला फीमेल-लीड अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी आने वाली पैन-इंडिया एक्शन फिल्म ऋमैसाऋ के लिए अंडरवॉटर फाइट सीक्केंस शूट किया गया है। इस सीक्केंस को रश्मिका ने बिना किसी एक्शन डबल के स्वयं फिल्माया है।

निर्माताओं के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी एक्शन सीक्केंस की शूटिंग के दौरान रश्मिका ने दो दिनों में करीब 20 घंटे पानी के भीतर बिताए। सेट पर मौजूद अंडरवॉटर तकनीकी टीम और छायाकार (डीओपी) ने उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे भारतीय फिल्म उद्योग में अब तक का अनूठा अनुभव बताया। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस अंडरवॉटर एक्शन सीक्केंस की झलक और सेट से रश्मिका की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा में पहली बार किसी फीमेल-लीड फिल्म के लिए इस तरह का अंडरवॉटर फाइट सीक्केंस तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय एक्शन सिनेमा में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। फिल्म का टीजर जल्द जारी किया जाएगा, जबकि फिल्म वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना ने भी सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह उनके करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण काम रहा है। उन्होंने लिखा कि इसी परियोजना में व्यस्त रहने के कारण वह कुछ समय से सार्वजनिक रूप से कम नजर आ रही थीं और अब वह दर्शकों के सामने इसे पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले निर्मित और रवींद्र पुल्ले के निर्देशन में बनी ऋमैसाऋ आदिवासी क्षेत्रों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में दमदार एक्शन, भव्य दृश्य और रश्मिका मंदाना का अब तक का सबसे अलग और बेखौफ अवतार देखने को मिलेगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा-तमन्ना भाटिया की 'द वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' 25 सितंबर को होगी रिलीज़, नया पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म द वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की नई रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया गया है।यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। मेकर्स ने नई रिलीज़ डेट के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है, जिसने सोशल मीडिया पर दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जारी पोस्टर में एक शक्तिशाली योद्धा जैसे किरदार को एक बैल और एक बाघ के बीच खड़े हुए दिखाया गया है। रहस्यमयी और भव्य अंदाज वाले इस पोस्टर में फिल्म की दुनिया की झलक देखने को मिलती है। पोस्टर के कई प्रतीक फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हैं और प्रशंसक इसके डिजाइन तथा डिटेलिंग की सराहना कर रहे हैं।

भारतीय लोककथाओं से प्रेरित द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट फैंटेसी, एक्शन, कॉमेडी और एडवेंचर का अनूठा संगम है। फिल्म के जरिए मेकर्स एक बिल्कुल नई सिनेमाई दुनिया दर्शकों के सामने पेश करने जा रहे हैं। रीमेक, अडैप्टेशन और फ्रेंचाइज़ी फिल्मों के दौर में यह एक मौलिक कहानी पर आधारित परियोजना है। मेकर्स इससे पहले द लीजेंड ऑफ वन कॉमिक बुक के माध्यम से इस दुनिया की पहली झलक भी दर्शकों को दिखा चुके हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स, टीवीएफ और 11.11 प्रोडक्शन के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी अरुणाभ कुमार ने लिखी है, जबकि निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है। सिनेमैटोग्राफी और विजुअल डायरेक्शन की जिम्मेदारी मनु आनंद ने संभाली है। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर. कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने किया है।

पेरिस फैशन वीक में छाईं ईशा अंबानी, भारतीय कारीगरी को मिला ग्लोबल मंच

रिलायंस रिटेल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी पेरिस हाउते कूट्योर वीक में भारतीय फैशन की खास पहचान बनकर उभरीं।ईशा अंबानी, मनीष मल्होत्रा के ऑटम/विंटर 2026 हाउते कूट्योर शो में शामिल हुईं, जो पेरिस के आधिकारिक कूट्योर कैलेंडर पर मनीष मल्होत्रा की पहली प्रस्तुति थी। इस मौके पर ईशा अंबानी ने खास गोल्डन गाउन पहना, जिसे मुंबई में 700 घंटे से ऋयादा की बारीक कारीगरी के साथ तैयार किया गया है। इस गाउन को मनीष मल्होत्रा ने स्टाइलिस्ट एंड्रयू मुकामल के साथ मिलकर खास तौर पर ईशा अंबानी के लिए डिजाइन किया। इसमें भारतीय जरी-ज़रदोजी की कारीगरी और कढ़ाई के दो पारंपरिक रूप सली और ताबान के साथ हाथ से लगाए गए क्रिस्टल का इस्तेमाल किया गया। इसका डिजाइन (मां)' से प्रेरित है, जो उन महिलाओं को समर्पित है जिनके प्यार, ताकत और गरिमा ने पीढ़ियों को आकार दिया है। ईशा अंबानी ने अपने लुक को लॉरेन श्वार्ट्ज के 50 कैरेट न्यूड डायमंड इयररिंग्स और 12 कैरेट पियर-शेप न्यूड डायमंड रिंग के साथ पूरा किया। गोल्डन गाउन और डायमंड ऋवेलरी के इस अंदाज ने पेरिस के प्रतिष्ठित फैशन मंच पर भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन के मेल को सामने रखा। पेरिस में ईशा अंबानी की मौजूदगी को भारतीय डिजाइनरों, लग्जरी ब्रांड्स और कारीगरों को दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचाने की उनकी सोच से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिलायंस रिटेल में अपनी भूमिका के जरिए वह भारतीय डिजाइन और क्रिएटिव टैलेंट को वैश्विक पहचान दिलाने पर लगातार काम कर रही हैं। ईशा अंबानी ने पेरिस में खास तौर पर मनीष मल्होत्रा और राहुल मिश्रा की प्रस्तुतियों में भाग लिया। इसे भारतीय डिजाइनरों और कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ाने की उनकी व्यापक सोच का हिस्सा माना जा रहा है।

भारतीय किसान संघ ने किसानों की समस्या के निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

ग्रीष्मकालीन मूंग, उड़द उपार्जन, खरीदी एवं उर्वरक बुक करने में आ रही समस्याओं के समाधान को लेकर भारतीय किसान संघ ने भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर महेंद्र पटेल को सौंपा। ज्ञापन सपना के पूर्व किसानों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वहीं ज्ञापन में उल्लेख किया है कि किसान वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग, उड़द की फसल काटकर समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु प्रतीक्षारत हैं। परन्तु शासन द्वारा खरीदी एवं उर्वरक बुक करने में समस्याएं आ रही हैं। जिसमें मुख्य रूप से प्रति एकड़ खरीदी की सीमा ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी मात्र

1.25 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित की गई है जो न्यायसंगत नहीं है। वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। खरीदी की सीमा को बढ़ाकर न्यूनतम 5 क्विंटल प्रति एकड़ करने का आदेश जारी किया जाए। खरीदी केंद्र किसान भाईयों की सुविधा के अनुसार नहीं बनाए गए हैं। जिन किसान भाईयों की गिरदावरी पंजीयन नहीं हए हैं वे खरीदी से वंचित हो रहे हैं।किसान भाईयों की 100 प्रतिशत मूंग एवं उड़द समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने की स्वीकृति प्रदान की जाए। उर्वरक ई टोकन के माध्यम से यूरिया बुक करने पर यूरिया के अलावा एक ओर अन्य खाद लेने पर ई टोकन बुक होता है।यूरिया खाद के अलावा फसलों मेंअन्य खाद आधार के रूप में एक ही बार दिया जाता है जबकि यूरिया खाद का उपयोग दो से तीन बार किया जाता है इसलिए यूरिया के साथ अन्य खाद कीअनिबार्यता समाप्त की जावे।

उक्त मौके पर स्वदेश कोठारी प्रांत मंत्री , अनिरुद्ध पटेल संभागीय अध्यक्ष , संतोष राय जिला अध्यक्ष , विष्णु प्रसाद पटेल कोषाध्यक्ष , गोवन पटेल ,ओम चौकसे कल्याण सिंह पटेल, उदय राज लोधी, भाव सिंग लोधी ,राजेंद्र पटेल, भोपाल सिंह पटेल, कमल सिंह, संदीप लोधी, ऋषि राज पटेल, गिरधारी सिंह पटेल एवं भारतीय किसान संघ के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन क्षेत्र से शुरू हुई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

मुख्य मार्गो को अति मण मुक्त कराने नगर पालिका सख्त

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर के मुख्य मार्गो पर फैले अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही अभी रूकी नहीं है। रेलवे स्टेशन क्षेत्र से सड़क किनारे हुये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही शुरू हो गई है। सीएमओ श्रीमति रितु मेहरा स्वयं नपा अमले के साथ पहुंची और चीचली तिराहा से लेकर रेलवे स्टेशन तक मुख्य मार्गो के फुटपाथ पर लगी दुकानों को पीछे करवाया और सड़क के किनारे रखे टीन के टपरों को 24 घण्टों के अंदर हटाने की हिदायत दी है। उल्लेखनीय है कि नगर के मुख्य मार्गो पर अतिक्रमण का जाल फैला हुआ है, और नगर को अतिक्रमण मुक्त किये जाने के लिये

नगर पालिका ने कमर कस ली है। सीएमओ श्रीमति मेहरा ने बताया कि मुख्य मार्गो के अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही जारी रहेगी। अतिक्रमण करने वालों से अपील की है कि वे स्वयं ही अपने अपने अतिक्रमणों को हटा लें अन्यथा की स्थिति में जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाया जाएगा साथ ही जुर्माने की कार्यवाही भी प्रस्तावित की जाएगी।

अतिक्रमण हटाने के दौरान स्वास्थ्य शाखा प्रभारी संजय सेन, बबलू चौहान एवं उनकी टीम, राजस्व प्रभारी अमित कोष्टी सहित नगर पालिका अमला मौजूद रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 11 जुलाई को

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर की सामाजिक संस्था पहलवान मित्र मंडल द्वारा स्व. भागचंद पहलवान गंगापारी की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर इस वर्ष भी विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी सेवा भाव को समर्पित यह शिविर 11 जुलाई 2026, शनिवार को नया बस स्टैंड गाडरवारा पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। स्व. भागचंद पहलवान की स्मृति में हर

साल लगने वाला यह शिविर सैकड़ों नेत्र रोगियों के लिए संजीवनी बनता है।शिविर में सक्षम भारत संस्था एवं दादा विरेंद्र पुरी जी आई हॉस्पिटल देव जी नेत्रालय, तिलवारा घाट जबलपुर के सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक एवं उनकी कुशल टीम उपस्थित रहेगी। डॉक्टरों की टीम द्वारा जरूरतमंद मरीजों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया जाएगा। नेत्र परीक्षण के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए मरीजों का चयन कर उन्हें नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए जबलपुर ले जाया जाएगा। आने-जाने, ऑपरेशन, दवा और भोजन की पूरी व्यवस्था निशुल्क रहेगी । आयोजन समिति ने अपील की है कि नेत्र रोग से पीड़ित सभी जरूरतमंद नागरिक शिविर में पहुंचकर अपना पंजीयन कराएं और नि:शुल्क उपचार का लाभ लें। बुजुर्ग, महिला एवं दिव्यांग मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।शिविर में भीड़ से बचने और बेहतर व्यवस्था के लिए मरीजों से अग्रिम पंजीयन कराने का निवेदन किया गया है। नेत्र शिविर से संबंधित संपूर्ण जानकारी के लिए आयोजन समिति से संपर्क किया जा सकता है । आयोजन समिति ने नगरवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास नेत्र रोग से पीड़ित जरूरतमंद लोगों तक इस जानकारी को पहुंचाएं ताकि कोई भी लाभ लेने से वंचित न रहे। पहलवान मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष स्व. भागचंद पहलवान की पुण्यतिथि पर यह शिविर लगाया जाता है । सामाजिक सरोकार से जुड़ा यह आयोजन सेवा भाव के साथ किया जाता है।

भारत विकास परिषद ने सेवा पखवाड़े के अंतर्गत किया वृहद पौधरोपण

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत। भारत विकास परिषद द्वारा देशभर में आयोजित किए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्थानीय अक्षरधाम कॉलोनी में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद महाकोशल प्रांत के संरक्षक सरदार सिंह पटेल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत का संदेश देने के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सरदार सिंह पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद

सेवा कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रही है।परिषद के रीजनल अध्यक्ष सुनील कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत परिषद द्वारा पूरे देश में विविध सेवा एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पौधरोपण अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण का संकल्प लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण तैयार करना भी है। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता करते हुए अनेक छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर जेके शर्मा राष्ट्रीय सदस्य पर्यावरण ने सभी को पालीथीन मुक्त परिवार का संकल्प दिलाकर अनुरोध किया कि हम अपने परिवारों से पॉलीथीन मुक्ति की और बढ़े।

इस अवसर पर गोष्ठी में चर्चा का संचालन प्रांत मार्गदर्शक संजय तिवारी ने किया।चर्चा में सहभागी आशुतोष वर्मा, उमेश दुबे(अध्यक्ष नरसिंहपुर), राजेश नेमा(अध्यक्ष विवेकानंद), गोविंद सिंह पटेल(अध्यक्ष गोटेगांव) राजेश पटेल, सुरेश नेमा, तुलसीराम जाट, जी.एस. पटेल, प्रवीण मिश्रा, कुलदीप सलूजा, सोमराज कोरी, योगेंद्र सोनी, अनुराग चौकसे, किरण नेमा एवं सविता अग्रवाल सहित परिषद के अनेक सदस्य एवं कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

30 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के बाद वरिष्ठ शिक्षक इंद्रमुनि प्रसाद द्विवेदी सेवानिवृत्त

रीवा/मनगवां। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनगवां के वरिष्ठ हिंदी शिक्षक इंद्रमुनि प्रसाद द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर उनके गृह ग्राम आंबी में गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, पूर्व विद्यार्थी, सहकर्मी, शुभचिंतक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। समारोह आत्मीयता और सम्मान के भाव से ओतप्रोत रहा।

श्री द्विवेदी ने 1 जनवरी 1996 से 23 जून 2026 तक लगभग 30 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने हिंदी भाषा एवं साहित्य के अध्यापन के माध्यम से हजारों

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सरल शिक्षण शैली, अनुशासनप्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीय व्यवहार ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक के रूप में स्थापित किया। उनके अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर समाज में अपनी पहचान बना रहे हैं, जिसका श्रेय वे अपने गुरुजनों से मिले संस्कारों और मार्गदर्शन को देते हैं।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि उसका ज्ञान, अनुभव और संस्कार समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री द्विवेदी भविष्य में भी शिक्षा, साहित्य और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे।

इस अवसर पर अतिथियों ने शाल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर श्री द्विवेदी का सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में शरद चंद्र तिवारी, राघव शरण तिवारी, जगजीवन लाल तिवारी, अनिकेश पांडे, आदित्य प्रसाद तिवारी, लखपति प्रसाद तिवारी, हरिश्चंद्र सिंह, टी.पी. चतुर्वेदी, नागेश पांडे, रामभजन गुप्ता, एम.बी. शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उनके ज्येष्ठ पुत्र शशांक द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आज जीतू पटवारी की उपस्थिति में होगा किसान आंदोलन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। कल 10 जुलाई को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में किसान कांग्रेस के आह्वान पर विशाल किसान आंदोलन एवं एसडीएम कार्यालय घेराव दोपहर एक बजे से होगा। किसानों की 100 प्रतिशत मूंग समर्थन मूल्य पर खरीदी, किसानों की समस्याओं के समाधान एवं अन्य प्रमुख मांगों को लेकर आयोजित आंदोलन के पूर्व दोपहर 12 बजे नई गल्ला मंडी में एकत्र होकर एसडीएम कार्यालय जाएंगे। सभी किसानों से उपस्थिति की अपील जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने की है।

आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान सड़कों से हटाकर गौशाला भेजे गए पशु

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से आवारा मवेशियों को पकड़ने का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों से आवारा घूम रहे मवेशियों को पकड़ा और उन्हें सुरक्षित रूप से गौशाला भेजा। अभियान के तहत बाहरी रोड सहित विभिन्न व्यस्त क्षेत्रों में सड़क पर विचरण कर रहे मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। सड़क पर बैठे एवं घूम रहे मवेशियों

के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिसे देखते हुए यह कार्रवाई की गई। टीम ने पशुओं को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित कर वाहनों एवं आमजन की आवाजाही को सुचारु बनाया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में आवारा मवेशियों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जाए, ताकि यातायात बाधित न हो और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। साथ ही पशुपालकों से भी अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ने तथा उनका समुचित प्रबंधन करने की अपील की गई है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने

आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं सुविधाओं पर दिया विशेष जोर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) श्रीमती साधना स्थापक ने गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के सांईखेड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम वनवारी, देवरी एवं मिढवानी में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण गुरूवार को किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद कर महिलाओं एवं बच्चों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। श्रीमती स्थापक ने आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित

नियमित गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं, इसलिए यहां उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान गणमान्य नागरिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बच्चे मौजूद थे।

खनिज विभाग ने डोलोमाइट खदान में किया पौधरोपण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में व्यापक पौधरोपण के कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में खनिज विभाग के द्वारा जिले की सिमरिया डोलोमाइट खदान क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक पौधरोपण का कार्य किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 8 जुलाई को 150 और 9 जुलाई को 160 पौधों का रोपण किया गया। इस प्रकार दो दिनों में कुल 310 पौधों का रोपण कर खदान क्षेत्र को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इन पौधों में आम, जामुन, अमरूद, कटहल आदि छायादार एवं फलदार पौधे शामिल हैं। पौधरोपण के माध्यम से क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जिले में अब तक 177.6 मिमी अर्थात 6.98 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

नरसिंहपुर जिले में एक जून से 9 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 177.6 मिमी अर्थात 6.98 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 9 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 16.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 12 मिमी, गाडरवारा में 15, गोटेगांव में 35 मिमी, करेली में 16 मिमी और तेंदूखेड़ा में 4 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू-संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 196 मिमी, गाडरवारा में 194 मिमी, गोटेगांव में 110 मिमी, करेली में 132 और तेन्दूखेड़ा में 256 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 490 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 506 मिमी, गाडरवारा में 584 मिमी, गोटेगांव में 423 मिमी, करेली में 476 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 461 मिमी वर्षा हुई थी।

दृढ़ संकल्प, समयबद्ध अध्ययन और तनाव प्रबंधन से ही मिलेगी सफलता : डीईओ

उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण

90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने का दिया लक्ष्य

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए सकारात्मक शैक्षणिक संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य आधारित अध्ययन, समय प्रबंधन एवं तनाव नियंत्रण के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। डीईओ डॉ. कुशवाहा ने कहा कि परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता केवल अधिक समय तक पढ़ाई करने से नहीं, बल्कि सही योजना, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और

मानसिक संतुलन से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित समय-सारणी बनाने, दैनिक लक्ष्य निर्धारित करने, विषयवार रणनीति तैयार करने तथा प्रतिदिन अध्ययन की समीक्षा करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी प्रारंभ से ही योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन करें, तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उन्होंने छात्र जीवन में आने वाली चुनौतियों, एकाग्रता में बाधा बनने वाले कारणों एवं परीक्षा के तनाव पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा होती हैं, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ हर कठिनाई को अवसर में बदला जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि वे अपनी क्षमता पर विश्वास रखें और अनावश्यक व्यस्तताओं से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन भविष्य निर्माण का स्वर्णिम समय है, जिसका सदुपयोग कर प्रत्येक विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है। डॉ. कुशवाहा ने विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बड़ा लक्ष्य ही बड़े परिणामों का आधार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने तक सीमित न रहें, बल्कि उत्कृष्टता प्राप्त करने का संकल्प लें और अपने विद्यालय, परिवार एवं जिले का नाम गौरवान्वित करें। इस दौरान उन्होंने कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं के मेधावी विद्यार्थियों से भी संवाद स्थापित कर उन्हें विषयों की गहराई से समझ विकसित करने तथा आगामी कक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही समस्त शिक्षकों को शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यालय स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का किया गया शुभारंभ

महापौर ने वार्ड की वरिष्ठ महिला शकुन बर्मन के करकमलों द्वारा कराया भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के समग्र विकास के क्रम में बुधवार 8 जुलाई को लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 3 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद सरला संतोष मिश्रा, एमआईसी प्रभारी सदस्य डॉक्टर रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेन्द्र गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी में आयोजित किया गया। भूमिपूजन वार्ड की वरिष्ठ महिला शकुन बर्मन के कर कमलों से विधिवत संपन्न कराया वार्ड वासियों को विकास कार्यों की नई सौगात दी गई।

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम

इस अवसर पर नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वार्ड में लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से

विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इनमें 32.57 लाख रुपये की लागत से शासकीय स्कूल पहरुआ एवं सुभाष तिवारी के मकान से शंकर दुबे के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण, 14.68 लाख रुपये की लागत से नंदन कानन गार्डन के बाजू से आरसीसी सड़क निर्माण, 5 लाख 87 हजार रुपये की लागत से गहोई कॉलोनी में नीरज रजक के घर से सीसी नाली निर्माण कार्य तथा लगभग 60 लाख रुपये की लागत से 3 नवीन ट्रांसफार्मर एवं 74 विद्युत पोल स्थापित किए जाने का कार्य शामिल है। यह विद्युत कार्य पन्नी कॉलोनी, कुठला, पहरुआ क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही वार्ड की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगभग 60 लाख रुपये की लागत से 3 नवीन ट्रांसफार्मर एवं 74 विद्युत पोल स्थापित किए जाएंगे। यह कार्य पन्नी कॉलोनी, कुठला, पहरुआ क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

हर वार्ड तक बेहतर मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प- महापौर

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सड़क, नाली एवं विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा की विद्युत पोल ट्रांसफार्मर लगने से अन्य क्षेत्रों को भी मिलेगा लाभ। क्षेत्रीय पार्षद मिश्रा ने कहा कि वार्ड क्रमांक 3 के नागरिक लंबे समय से इन विकास कार्यों की अपेक्षा कर रहे थे। आज इन कार्यों के भूमिपूजन के साथ वार्ड के विकास को नई गति मिलेगी।

सड़क, नाली, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर स्थापित होने से हजारों नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेन्द्र गुप्ता, उपयंत्री मोना करिरा, ठेकेदार अरुण चक्रवर्ती, रजनीश तिवारी समाजसेवी संजय मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रवासियों ने वार्ड में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए महापौर सूरी, क्षेत्रीय पार्षद तथा नगर पालिक निगम प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से वार्ड की वर्षों पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

एड. अमित शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

एफआईआर दर्ज करने की मांग

कटनी (स्वतंत्र मत)।

जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने पुलिस अधीक्षक, कटनी को ज्ञापन सौंपकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विरुद्ध प्रचलित कानून के अनुसार एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि भगवान श्री हनुमान जी समस्त हिंदू समाज के आराध्य देव हैं।

उनका किसी राजनीतिक दल के झंडे अथवा राजनीतिक प्रचार से जुड़े स्वरूप में चित्रण करना करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है तथा धार्मिक आस्था एवं मर्यादा के विपरीत है। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि सभी धर्मों के आराध्य देवी-देवताओं, धार्मिक प्रतीकों एवं आस्थाओं का सम्मान किया जाना प्रत्येक नागरिक और संगठन

का दायित्व है। यदि किसी कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेसजनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संगठन किसी भी धर्म की आस्था एवं धार्मिक प्रतीकों का अनुचित राजनीतिक उपयोग करने का दुस्साहस न कर सके तथा सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारा बना रहे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, राजा जगवानी, रजनी वर्मा, सौम्या राधेलिया, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, मुकेश परोहा, मंगल सिंह, रंजीत सिंह, मोसुफ अहमद बिट्ठू, श्याम पाहुजा, राजकुमार (कल्लू) विश्वकर्मा, अहमद कुरैशी, अजय कोल, ओमप्रकाश मुन्ना कुशवाहा, नारायण निषाद, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, रश्मि अग्रवाल, मीनाक्षी वाल्वी, श्याम यादव, मुकेश मिश्रा, अजय वर्मा, शुभम सोनखरे, दिलदार खान, इमरान खान, शशि यादव, रूपा तिवारी, रवि जायसवाल, इरशाद खान, ऋषभ पटेल, जॉर्ज डेविड, ओमप्रकाश सकतेल, कैलाश कनौजिया, शरद पाल सिंह साहिल नामदेव, हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने अफसर पहुंचे गांव

आवास, अमृत सरोवर सहित विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण, प्रगति तेज करने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा के लिए जिला पंचायत के योजना प्रभारी अधिकारियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर मैदानी निरीक्षण किया। जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर अधिकारियों ने योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। सीईओ के निर्देशानुसार विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), मध्यान्ह भोजन

कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं के प्रभारी अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है। इसी क्रम में परियोजना अधिकारी ऋषिराज चढ़ार ने जनपद पंचायत कटनी की ग्राम पंचायत टेढ़ी के ग्राम सुनहरी में अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित ग्राम पंचायत को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं सहायक परियोजना अधिकारी मृगेंद्र सिंह ने जनपद पंचायत रीठी की ग्राम पंचायत नेगवां, रामपुर, कुड़ाई और खुसरा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राहियों के आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित जनपद पंचायतों के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायतों के सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक भी मौजूद रहे।

एसपी द्वारा थाना स्लीमनाबाद क्षेत्र अंतर्गत टनल निर्माण कार्य की समीक्षा

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा थाना स्लीमनाबाद क्षेत्रांतर्गत नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण एवं मेसर्स पटेल-एसएण्डब्लूयू द्वारा संचालित बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दाई तट मुख्य नहर के टनल निर्माण कार्य का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा निर्माण कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा थाना स्लीमनाबाद का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान थाना अभिलेखों, लंबित अपराधों, लंबित मर्ग प्रकरणों तथा अन्य विवेचनाधीन प्रकरणों की समीक्षा की गई। उन्होंने थाना प्रभारी एवं विवेचकों को निर्देशित किया कि लंबित अपराध एवं मर्ग प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बालाजी नगर में अस्थायी विद्युत कनेक्शनों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित करने हेतु दिए आवश्यक निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कटनी शहर में विभिन्न क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग वाले क्षेत्र डेवलप हुए हैं, जिसके कारण से इन क्षेत्रों में बिल्डर या रहवासियों के द्वारा विद्युतीकरण का कार्य नहीं कराया गया है, ऐसे अवैध अघोषित एवं घोषित कालोनिया या बिना विद्युतीकरण के विस्तारित कॉलोनियो में विद्युतीकरण कार्य हेतु शासन की गाइडलाइन के अनुसार विद्युतीकरण कराया जा सकता है, एवं वर्त्तमान में शासन के द्वारा सुगम विद्युत योजना लागू की गई है, जिससे घोषित अघोषित कालोनियों में प्रति उपभोक्ता प्रति किलो वाट सिस्टम डेवलपमेंट राशि का भुगतान करते हुए विद्युतीकरण का कार्य कराया जा सकता है। प्रति उपभोक्ता प्रति किलो वाट राशि रुपये 15567 है। वर्तमान में बालाजी नगर में पुरवार स्कूल के पीछे लंबे कई वर्षों से बालाजी नगर के रह वासियों के द्वारा ऐसे क्षेत्रों में अपना भवन

निर्माण किए गए हैं एवं निवास कर रहे हैं, जिनमें उपभोक्ताओं के द्वारा स्वयं अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं, उपभोक्ताओं के द्वारा नियमानुसार गाइडलाइन के अनुरूप पालन करते हुए सर्विस तारों को स्वयं ही सर्विस तार खींचकर विद्युत का उपयोग किया जाना है। उपभोक्ताओं को कनिष्ठ अभियंता कार्यालय से बार-बार सर्विस तार को व्यवस्थित करने एवं सुरक्षित अस्थाई विद्युत कनेक्शन से विद्युत प्रयोग करने हेतु अवगत कराया जाता रहा है, किंतु कई उपभोक्ताओं के सर्विस तार वर्षो से उपयोग किए जाने के कारण कटी फटी होने के कारण बारिश के मौसम में करंट फैलने का खतरा रहता है, ऐसे उपभोक्ताओं को अवगत कराया जाता है, कि कटे फटे सर्विस तार को अलग करें साथ ही सुरक्षित रूप से तार का उपयोग करते हुए बिजली का उपयोग करें अन्यथा की स्थिति में अस्थाई विद्युत कनेक्शन को विच्छेदित कर दिया जाएगा जिस हेतु उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे। पिछले दिनों में अमानक रूप् से कई उपभोक्ताओं के द्वारा कटी-फटी तार, बल्लियों के माध्येम से खींची गयी है, जिससे करेंट लगने जैसी अनेकों शिकायत प्रासे हुई थी, जिसका निराकरण भी इस कायार्लय द्वारा किया गया है, सुरक्षा की दृष्टि से एमपीईबी संधारण की टीम के द्वारा लगातार तीन दिनों तक बॉस बल्लियों को सही करने एवं तार को सही करने का कार्य भी इस क्षेत्र में लगातार किया गया है, आगामी समय में सुरक्षा की दृष्टि हेतु उपभोक्ताओं से अपील है कि मध्य प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग द्वारा संचालित सुगम विद्युत योजना के माध्यम से नए कनेक्शन के आवेदन प्राप्त करते हुए नियमानुसार राशि का भुगतान करने उपरांत इस क्षेत्र में विद्युतीकरण के कार्य के साथ-साथ उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन प्राप्त हो सकते हैं।

संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी कटनी को ज्ञापन सौंपा और किया सम्मान

कटनी (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 09 जुलाई को संघ के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कटनी से मुलाकात कर उनका फूलमाला पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की समस्या से अवगत कराया गया और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को ई अटेंडेंस से छूट देने हेतु चर्चा कर प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय के नाम का ज्ञापन सौंपा गया जिला शिक्षा अधिकारी ने उचित समाधान हेतु सहयोग करने आश्वासन दिया है उक्त ज्ञापन में संघ के पदाधिकारी अजय गौतम, उप प्रांताध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, सेवानिवृत्त शिक्षक मनोज श्रीवास, सौरभ सिंह, राकेश जसूजा, अजीमुद्दीन शाह, नीलेश पौराणिक, कमलेश पांडेय, भागीरथ तिवारी, अध्यक्ष स्थाई कर्मी संघ धर्मेंद्र राज बालकदास, अरुण मिश्रा, सतीश पटेल, अभिषेक सिंह मरावी, आयुष पांडेय, वर्षा देशमुख, सत्येंद्र कोरी, रामलोचन यादव अन्य उपस्थित रहे।

जर्जर स्कूल भवन का हिस्सा डिस्मेंटल बारिश में हादसे का खतरा टला

कटनी (स्वतंत्र मत)। वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम ने बिरसा मुंडा वार्ड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला आधारकाप के जर्जर भवन के खतरनाक हिस्से को डिस्मेंटल कर संभावित दुर्घटना का खतरा टाल दिया। निगम द्वारा यह कार्रवाई मानसून के दौरान जर्जर भवनों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। नगर निगम के अनुसार समय-सीमा की बैठक में निगमायुक्त तपस्या परिहार द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद शहर के जर्जर एवं असुरक्षित भवनों का निरीक्षण कराया जा रहा है। इसी क्रम में आधारकाप प्राथमिक शाला का एक कक्ष, परछी तथा जर्जर शौचालय अत्यधिक क्षतिग्रस्त और उपयोग के लिए असुरक्षित पाए गए। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए मशीनों की सहायता से इन हिस्सों को सुरक्षित तरीके से हटाया गया। निगम अधिकारियों का कहना है कि बारिश के मौसम में पुराने और जर्जर भवनों के ढहने की आशंका बढ़ जाती है।

सीसीटीवी कैमरों की मदद से छूटा हुआ लैपटॉप खोजकर पुलिस ने फरियादी के सुपुर्द किया

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन में कटनी पुलिस द्वारा संचालित सीसीटीवी मॉनिटरिंग एवं त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप एक फरियादी का ऑटो में छूटा हुआ लैपटॉप सुरक्षित बरामद कर उसे सकुशल वापस किया गया। फरियादी घनेन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं उनकी पुत्री शालिनी तिवारी ने पुलिस को बताया कि वे दुर्गा चौक से थाना तिराहा जाने के लिए ऑटो में सवार हुए थे। यात्रा के दौरान उनका लैपटॉप ऑटो में ही छूट गया। सूचना प्राप्त होते ही मामले

की गंभीरता को देखते हुए कटनी पुलिस की सीसीटीवी टीम ने तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की। फरियादी द्वारा बताए गए मार्ग के आधार पर शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से ऑटो की तलाश की गई। जांच के दौरान खिरहनी ब्रिज पर शाम 5:22 बजे तथा थाना तिराहा पर शाम 5:26 बजे संबंधित ऑटो में लैपटॉप दिखाई दिया। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ऑटो का पंजीयन क्रमांक एमपी21जेडबी7850 चिन्हित किया गया। ऑटो के पंजीयन क्रमांक के आधार पर आरटीओ रिकॉर्ड से वाहन चालक की जानकारी प्राप्त कर उससे तत्काल संपर्क किया गया। चालक ने बताया कि लैपटॉप उसके पास सुरक्षित रखा हुआ है। थाना एनकेजे पुलिस एवं सीसीटीवी द्वारा चालक से संपर्क कर लैपटॉप प्राप्त किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक एवं सीसीटीवी टीम की उपस्थिति में सुरक्षित बरामद लैपटॉप फरियादी घनेन्द्र कुमार त्रिपाठी को विधिवत सुपुर्द किया गया। लैपटॉप सुरक्षित वापस मिलने पर फरियादी एवं उनके परिजनों ने संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

डिजिटल शिक्षा की नई उड़ान केंद्रीय विद्यालय झिंझरी में आधुनिक कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों को समर्पित

कटनी (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय विद्यालय झिंझरी में विद्यार्थियों को तकनीक आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग के उपायुक्त दिग्गराज मीना ने विद्यालय में स्थापित अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का विधिवत लोकार्पण मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर दिग्गराज मीना ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल शिक्षा को विद्यालयों में सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल साक्षरता, डिजिटल लर्निंग, कोडिंग तथा नवाचार आधारित शिक्षण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त महोदय ने कंप्यूटर लैब का अवलोकन किया तथा विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ नवल किशोर पचौरी की उपस्थिति में विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी सीखने की गतिविधियों की जानकारी ली।

एबीवीपी स्थापना दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

कटनी के युवाओं को नशा उन्मूलन और रचनात्मक कार्यों से जुड़ना चाहिए: अमित कनकने

कटनी (स्वतंत्र मत)। आज का विद्यार्थी आज का नागरिक है, विद्यार्थियों को ना केवल नागरिक अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए, अपितु नागरिक कर्तव्यों के प्रति अपनी जवाबदारी भी निभाना चाहिए, विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के साथ साथ समाज और देश के प्रति अपने कार्यों का भान होना चाहिए। कटनी के युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों के साथ साथ नशा उन्मूलन के कार्यों में लगना चाहिए। उक्ताशय के

उदगार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाही अमित कनकने ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 78 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह में स्थानीय नगर निगम ऑडिटोरियम बस स्टैंड कटनी में विशिष्ठ अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने कहा कि अपनी शारीरिक बौद्धिक भौतिक शक्ति का जागरण कर आप अपने समाज परिवार और देश के लिए कार्य कर सकते हैं। शक्ति को सकारात्मक कार्यों में लगाइए हमें आलोचना से डरना नहीं है, हमें आलोचना से सीखना है, आलोचना हो रही है मतलब आप आगे बढ़ रहे हैं आने वाला समय महत्वपूर्ण है

विद्यार्थियों को अपने सामाजिक परवेश की जानकारी जुटाकर सामाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता करनी चाहिए, अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाकर उसमें जुट जाना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विधार्थी परिषद के प्रांत सहमंत्री शिवेंद्र चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति के रूप में संगठित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने परिषद की कार्यपद्धति, छात्रहित के आंदोलनों एवं सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से संगठन से जुड़कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों से आए सैकड़ों विद्यार्थियों ने सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। अंत में आभार नगर मंत्री अवध पांडेय ने दिया तत्पश्चात वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन किया और कार्यक्रम समापन। कार्यक्रम में जिला कार्यवाह संजय त्रिपाठी, विभाग प्रमुख श्रीकांत शुक्ला, विभाग संयोजक सीमांत दुबे, जिला प्रमुख अनिल गर्ग, जिला संयोजक संजय कुशवाहा, नगर उपाध्यक्ष डॉ भूपेंद्र शुक्ल, डॉ जय प्रकाश अवस्थी, रचना गर्ग, साक्षी, प्राची, सिमरन, विवेक आदि नगर के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्पेन के मज़बूत डिफेंस के सामने बेल्जियम की चुनौती

फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टर फ़ाइनल में स्पेन और बेल्जियम का मुक़ाबला कल

न्यूयॉर्क

फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टर फ़ाइनल में कल शनिवार को स्पेन और बेल्जियम का मुक़ाबला होगा। बेल्जियम के सामने टूर्नामेंट में स्पेन के ख़िलाफ़ गोल करने वाली पहली टीम बनने की मुश्किल चुनौती होगी। स्पेन ने वर्ल्ड कप में अब तक कोई गोल नहीं खाया है। गोलकीपर उनाई साइमन ने वर्ल्ड कप फ़ाइनल में अपना शटआउट (बिना गोल खाए खेलने का) सिलसिला 609 मिनट तक बढ़ा लिया है। यह सिलसिला कतर में हुए 2022 टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज से चला आ रहा है।उम्मीद है कि लुइस डे ला फुएंते अपनी पसंदीदा बैक फोर (डिफ़ेंडर की लाइन) – मार्क कुकुरेला, आयमेरिक लापोर्टे, पाउ कुबारसी और पेड्रो पोरो – को ही बनाए रखेंगे। हालांकि, अगर कोच लाइनअप में कुछ बदलाव करना चाहें, तो राइट बैक के तौर पर मार्कोस लोरेंटे भी विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। सोमवार को राउंड ऑफ़ 16 में पुर्तगाल के ख़िलाफ़ 1–0 की मुश्किल जीत के बाद स्पेन को तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला था, और उस मैच में कई अहम खिलाड़ियों पर थकान का असर भी दिखा था।

मिडफील्ड में मोजूद है विकल्प

मिडफील्डर पेड्री और विंगर लैमिन यमल अपने सामान्य स्तर के मुताबिक नहीं खेल पाए थे, लेकिन डे ला फुएंते के उन्हें शुरुआती लाइनअप से बाहर करने की संभावना कम ही है। हालांकि, मिडफ़ील्ड में उनके पास विकल्प मौजूद हैं। फैबियन रुइज़ और मिकेल मेरिनो (जिन्होंने पुर्तगाल के ख़िलाफ़ जीत दिलाने वाला गोल किया था) दोनों ही शुरुआती टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं। स्पेन को चोटों के मामले में भी अच्छी ख़बर मिली है। विंगर निको विलियम्स, येरेमी पिनो और विक्टर मुनोज़ छोटी-मोटी फ़िटनेस समस्याओं से उबरने के बाद खेलने के लिए उपलब्ध हैं, हालांकि मुनोज़ ने अभी तक टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं खेला है। बेल्जियम के पास भी मैच से पहले रिकवरी के लिए बहुत कम समय है, लेकिन राउंड ऑफ़ 16 में अमेरिका पर 4–1 की शानदार जीत के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है।

विश्वनाथ और चंद्रिका के नेतृत्व में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली

एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में स्वर्ण विजेता रही चंद्रिका भोरेश पुजारी की अगुवाई में भारतीय मुक्केबाजी दल आज शुक्रवार से इंडोनेशिया में शुरू होने वाली अंडर-23 और अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम में दोनों आयु वर्गों के लिए प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं, जिनसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। इस चैंपियनशिप से भारतीय युवा मुक्केबाजों के लिए अपनी प्रतिभा और कौशल को एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ साबित करने का एक बेहतरीन अवसर मिलेगा। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण हासिल किया है। जिससे उसका लक्ष्य एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीतना रहेगा। टीम में शामिल मुक्केबाज न केवल अपने लिए, बल्कि देश के लिए भी गौरव हासिल करने को उत्सुक हैं। अंडर-23 पुरुष वर्ग में, 50 किग्रा भार वर्ग के एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और इशान कटारिया (90 किग्रा) जैसे प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं। यह एक अनुभव और युवा जोश का मिश्रण है, जो टीम को मजबूती प्रदान करता है। वहीं महिला अंडर-23 टीम की अगुवाई निधि (48 किग्रा) और तनु (51 किग्रा) करेंगी। इस टीम में निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा)और प्रियंका (80 किग्रा) जैसी कई और प्रतिभाशाली मुक्केबाज भी हैं, जिनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। ये सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुकी हैं और अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। अंडर-19 महिला टीम विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप की स्वर्ण पदक विजेता चंद्रिका भोरेश पुजारी के नेतृत्व में रिंग में उतरेगी। उनके साथ गुंजन (48 किग्रा), चिरोम जॉयश्री देवी (54 किग्रा) और प्राची (57 किग्रा) सहित कई उभरती हुई युवा प्रतिभाएं शामिल हैं, जो अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करने का लक्ष्य रखेंगी।

वैभव विरोधी गेंदबाजों से सतर्क रहें : पठान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। पठान का मानना है कि 15 वर्षीय इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद, इस क्रिकेटर को अब विरोधी गेंदबाजों की रणनीतियों का सामना करने और उनसे पार पाने के लिए तैयार रहना होगा। पठान ने इस बात पर जोर दिया कि वैभव का निडर और स्वाभाविक खेल बना रहना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लगातार और दीर्घकालिक सफलता हासिल करने के लिए विरोधी टीमों की रणनीतियों के हिसाब से खुद को ढालना अत्यंत आवश्यक है। पठान ने स्पष्ट किया, इसमें कोई शक नहीं कि वह एक खास प्रतिभा है, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि वह गेंदबाजों की हर चाल का सामना करने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार रहे। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए समझाया, जैसे अगर आप इंग्लैंड में स्पिनरों के खिलाफ आगे बढ़कर खेलना चाहते हैं, तो यह कोई बुरा विकल्प नहीं है क्योंकि वहां गेंद आमतौर पर ज्यादा टर्न नहीं होती। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपना संतुलन बनाए रखना होगा और गेंद से बहुत ज्यादा दूर नहीं जाना होगा, ताकि आप हर स्थिति में नियंत्रण बनाए रख सकें। पठान ने इस युवा खिलाड़ी के दृढ़ इरादे और आत्मविश्वास की भरपूर तारीफ की। उन्होंने खुशी जताई कि वैभव ने अपने पहले कुछ अंतरराष्ट्रीय मैचों में, विशेष रूप से दूसरे और तीसरे टी20 में, अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल छोड़ने से परहेज नहीं किया।

भारत ने अंडर-19 महिला वर्ग में 6 पदक पक्के किए

जकार्ता। भारत की अंडर-19 महिला मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा, जकार्ता में पांचवें दिन क्वार्टर फाइनल में मजबूत प्रदर्शन के बाद छह मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के कर लिए। चंद्रिका भोरेश पुजारी (51 किग्रा) ने नेतृत्व करते हुए कजाकिस्तान की झादिरा कालटे पर 5–0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जॉयश्री देवी (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान की मारल टोलेपबर्गेन के खिलाफ 5–0 से शानदार जीत दर्ज की।प्राची (57 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की रोबिया रावशनोवा पर 5–0 से जीत के साथ अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि चाहत (60 किग्रा) ने कजाकिस्तान की झास्मीन अब्रामयान के खिलाफ 5–0 से व्यापक जीत हासिल की। 48 किग्रा वर्ग में, गुंजन ने मंगोलिया की अल्तंजुल अल्तांगदास को 3-0 के करीबी मुकाबले में हराया।

हाईकोर्ट ने पर्सनैलिटी राइट्स मामले में अभिषेक को दी राहत

आपत्तिजनक पोस्ट हटाने अंतरिम आदेश दिये जाएंगे

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में राहत देते हुए कहा कि अभिषेक के व्यक्तित्व का दुरुपयोग करने वाली विभिन्न आपत्तिजनक पोस्ट और लिंक्स को हटाने के लिए अंतरिम आदेश पारित किया जाएगा। अदालत का यह फैसला अभिषेक शर्मा द्वारा अपने पर्सनैलिटी राइट्स के संरक्षण की मांग को लेकर दायर की गई याचिका पर दिया है। अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए समन जारी किया है और कहा है कि अभिषेक की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया जाएगा, जिसमें उनकी अनुमति के बिना उनकी छवि का व्यावसायिक उपयोग करने और उन्हें बदनाम करने वाली ऑनलाइन सामग्री को हटाने का निर्देश दिया जाएगा। अभिषेक के वकील ने कोर्ट को उन विशिष्ट यूआरएल (यूनिफ़ॉर्म रिसोर्स लोकेटर) की जानकारी देने के लिए एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया है, जहाँ ये आपत्तिजनक पोस्ट और सामग्री मौजूद हैं। वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि कुछ आपत्तिजनक पोस्ट पहले ही हटा दिए गए हैं पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अभी भी दो ऐसी पोस्ट मौजूद हैं, जिनमें अभिषेक के लिए अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इसके अतिरिक्त अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसी दो ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर क्रिकेटर की अनुमति के बिना व्यावसायिक हितों के लिए उनकी छवि का उपयोग किया जा रहा था, ये सामग्री भी अब तक हटाई नहीं गई है। वहीं इस मामले की पहली सुनवाई के दौरान अदालत ने अभिषेक के वकील को संबंधित स्क्रीनशॉट और उल्लंघन करने वाले यूआरएल के प्रमाण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। पिछली सुनवाई में ये दस्तावेज याचिका के साथ संलग्न नहीं किए गए थे, जिसके चलते कोर्ट ने बिना उचित जांच के कोई भी आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था और सुनवाई को टाल दिया था। बाद में, अभिषेक के वकील ने संबंधित स्क्रीनशॉट और विस्तृत जानकारी के साथ एक अलग हलफनामा दाखिल किया, जिसके बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई जारी रखने का फैसला लिया।

नई किया साइरोस ईवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किया इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने की तैयारी में है। अगले महीने किआ इंडिया कंपनी अपनी नई किया साइरोस ईवी को लॉन्च कर सकती है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी और टाटा पंच ईवी के उच्च वेरिएंट्स से होने की उम्मीद है। लॉन्च से पहले, किया साइरोस ईवी को एक बार फिर भारतीय सड़कों पर परीक्षण के दौरान देखा गया है। सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि इसका डिज़ाइन मौजूदा पेट्रोल और डीजल मॉडल से काफी मिलता-जुलता रहेगा, लेकिन इसमें इलेक्ट्रिक मॉडल के लिए कुछ खास बदलाव किए जाएंगे। इन बदलावों में चार्जिंग पोर्ट को आगे बाईं तरफ व्हील आर्च के ऊपर स्थापित करना, नए बंपर का डिज़ाइन और बेहतर एयरोडायनामिक्स वाले नए अलॉय व्हील्स शामिल हैं। वाहन में वर्टिकल एलईडी हेडलैंप, एल-आकार की डे-टाइम रनिंग लाइट और वर्टिकल एलईडी टेललैंप पहले की तरह बरकरार रहने की संभावना है। केबिन में, किया साइरोस ईवी में दो 12.3 इंच की स्क्रीन, एक पैनोरमिक सनरूफ, आगे और पीछे वेंटिलेटेड सीटें, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार तकनीक जैसे आधुनिक फीचर्स मिलने की उम्मीद है। इसमें व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) तकनीक भी दी जा सकती है, जिससे बाहरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बिजली दी जा सकेगी।

अमेरिका-ईरान तनाव से सोने-चांदी के दाम में भारी गिरावट

सोना 480 रुपए टूटकर 1,43,231 प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,631 लुढ़ककर 2,21,806 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर सोने-चांदी के दामों पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। गुरुवार को वैश्विक कमोडिटी बाजार कॉमेक्स पर जहां बहुमूल्य धातुओं के दाम तेजी से खुले, वहीं बाद में उनमें तेज गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी सोने और चांदी की शुरुआत सुस्त रही और वे निचले स्तरों पर कारोबार करते दिखे। इससे पहले बुधवार को भी इनके दामों में तेज गिरावट आई थी। घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी बनी हुई है। सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,43,451 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो बुधवार के 1,43,711 रुपए के बंद भाव से 260 रुपए कम था। खबर लिखे जाने तक यह 480 रुपए की गिरावट के साथ 1,43,231 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,22,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला, जो पिछले बंद भाव 2,23,437 रुपए से 1,437 रुपए कम था। खबर लिखे जाने तक यह 1,631 रुपए की गिरावट के साथ 2,21,806 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपए और चांदी ने 4,20,048 रुपए के रिकॉर्ड स्तरों को छुआ था। मौजूदा गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 4,087.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला, लेकिन खबर लिखे जाने तक यह 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,067.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। बुधवार को यह 4,082.40 डॉलर पर बंद हुआ था और 4,075 डॉलर प्रति औंस के करीब फिसल गया था।

डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स ने जुटाई 300 करोड़ की पूंजी

नयी दिल्ली। डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स ने प्राथमिकता के आधार पर शेयरों का आवंटन कर प्रतिष्ठित संस्थानों और रणनीतिक निवेशकों से 300 करोड़ रुपये की पूंजी जुटायी है।कस्टमाइज्ड प्रोसेस पाइपिंग समाधान उपलब्ध कराने वाली इंजीनियरिंग कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसने 502 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 59.76 लाख इक्विटी शेयरों का आवंटित किये हैं।यह आवंटन विभिन्न संस्थागत निवेशकों, वैकल्पिक निवेश फंडों और रणनीतिक निवेशकों को किया गया।इसमें घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के निवेशक शामिल हैं।इस पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट और मजबूत हुई है तथा इसकी दीर्घकालिक विकास रणनीति के लिए अतिरिक्त वित्तीय लचीलापन प्राप्त हुआ है।निवेशकों में व्हाइटओक कैपिटल द्वारा प्रबंधित फंड, कोटक महिंद्रा ट्रस्टी कंपनी, वैल्यूक्वेस्ट, 360 वन और अन्य शामिल हैं।डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के.एल. बंसल ने कहा कि पूंजी जुटाने की इस सफल प्रक्रिया से स्पष्ट होता है कि दीर्घकालिक निवेशकों को कंपनी की विकास रणनीति, निष्पादन क्षमताओं और बाजार स्थिति पर पूरा विश्वास है।जैसे-जैसे कंपनी अपने विनिर्माण नेटवर्क को मजबूत कर रही है और उच्च-मूल्य वाले इंजीनियरिंग क्षेत्रों में विस्तार कर रही है, यह अतिरिक्त पूंजी विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करेगी।डीईई का बुक ऑर्डर 30 जून 2026 तक 2,428.20 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए संचयी ऑर्डर इनफ्लो 780.87 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1,142 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का परिचालन लाभ 191 करोड़ रुपये रहा, जिसमें साल-दर-साल 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

हीरो मोटोकॉर्प 5,02,890 इकाइयों की बिक्री के साथ पहले स्थान पर

नई दिल्ली

जून 2026 के बिक्री आंकड़ों में भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। हालाँकि घरेलू बाजार में हीरो मोटोकॉर्प 5,02,890 इकाइयों की बिक्री के साथ पहले स्थान पर रही और होंडा 4,68,956 इकाइयों के साथ दूसरे स्थान पर, टीवीएस ने निर्यात में शानदार प्रदर्शन के दम पर कुल बिक्री का शीर्ष स्थान हासिल किया। टीवीएस मोटर ने कुल बिक्री के मामले में हीरो मोटोकॉर्प और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया को पीछे छोड़ दिया है। टीवीएस की कुल बिक्री 5,65,417 इकाई तक पहुंच गई, जबकि हीरो मोटोकॉर्प 5,41,159 इकाइयों और होंडा 5,28,281 इकाइयों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। टीवीएस ने जून में 1,54,403 दोपहिया वाहनों का निर्यात किया, जो हीरो (38,269) और होंडा (59,325) के निर्यात आंकड़ों से काफी अधिक था। निर्यात में इस महत्वपूर्ण बढ़त ने टीवीएस को समग्र रूप से सबसे बड़ा विक्रेता बनने में मदद की। वार्षिक आधार पर, टीवीएस ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, उसकी कुल बिक्री में 47 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जबकि होंडा की बिक्री 26 प्रतिशत बढ़ी। इसके विपरीत, हीरो मोटोकॉर्प की कुल बिक्री में लगभग 2.3 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। घरेलू बाजार में हीरो मोटोकॉर्प की मजबूत पकड़ अब भी बनी हुई है, हालांकि उसकी बिक्री में मासिक और वार्षिक दोनों आधार पर कमी दर्ज की गई। वहीं, होंडा और टीवीएस दोनों ने घरेलू बाजार में भी सकारात्मक वृद्धि दिखाई। बजाज ऑटो और रॉयल एनफील्ड ने भी जून 2026 में घरेलू बिक्री में मजबूत वृद्धि दर्ज की, जिसमें रॉयल एनफील्ड ने 1,02,930 मोटरसाइकिलों की बिक्री के साथ 33.75 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हासिल की।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 81 अंक ऊपर आया

मुम्बई

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनियां भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज जहां प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर खुले और पूरे दिन मजबूत बने रहे। हालांकि, कारोबारी सत्र के अंतिम पलों में थोड़ी बिकवाली देखने को मिली पर इसके बाद भी बाजार ने अपनी तेजी बरकरार रखी। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 238 अंक उछलकर 76,741 के स्तर पर बंद हुआबंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 81 अंकों की मजबूती के साथ ही 23,962 के स्तर पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल बना रहा। यह प्रदर्शन वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है। यह तेजी केवल मुख्य सूचकांकों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल रहा। , जिसने बाजार की सकारात्मक भावना को और मजबूत किया। निवेशकों ने छोटे और मझोले आकार की कंपनियों में खासा उत्साह दिखाय। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में प्रभावशाली 1.80 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 ने भी 1.38 फीसदी की शानदार रैली दिखाई। यह व्यापक बाजार में आत्मविश्वास बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में वृद्धि का संकेत है। निफ्टी 50 के भीतर, कुछ कंपनियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और बाजार को ऊपर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सन फार्मा सबसे आगे रहा, जिसने 2.68 फीसदी की बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारती एयरटेल में 2.28 फीसद ी, बजाज फिनसर्व में 2.17 फीसदी और इंटरग्लोब में 2.06 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई। हालांकि, बाजार की इस समग्र तेजी के बीच, कुछ शेयरों को नुकसान भी उठाना पड़ा। निफ्टी 50 की कंपनियों में डॉ रेड्डीज सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जिसमें 5.90 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। इसके बाद, इंफोसिस में 1.74 फीसदी , मारुति सुजुकी में 1.60 फीसदी , एनटीपीसी में 1.44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार के कुछ क्षेत्रों पर दबाव बनाया। इससे पहले आज सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 भी 111.35 अंकों की बढ़त के साथ ही 23,993.40 के स्तर पर पहुंचा, जो जल्द ही 24,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के करीब पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 342 अंक बढ़कर 76,845.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

कृषि और कृषक कल्याण है सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने किया 30.86 करोड़ रुपए के विभिन्न 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण, कालापीपल में किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आधारभूत विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में कृषि और कृषक्सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर से अधिक पहुंच गया है, जिससे कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील में आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30.86 करोड़ रुपए के 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 01 करोड़ 45 लाख 56 हजार रूपये की लागत के 04 कार्यों का भूमि पूजन और 29 करोड़ 39 लाख 92 हजार रूपये लागत के 8 कार्यो का लोकार्पण शामिल है। सम्मेलन में किसान भाइयों ने भावांतर भुगतान योजना एवं केसीसी ऋण चुकाने की अवधि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का गजमाला से साथ ही हल भेंटकर एवं महिला किसानों ने राखी बांधकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उपस्थित अतिथियों ने एक पेड़ माॅ के नाम, हर भरा कालापीपल अभियान अंतर्गत 04 लाख पौधे रोपण के लक्ष्य अन्तर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण में पौध-रोपण भी किया।

महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना अन्तर्गत अब तक लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित विभिन्न नदी जोड़ो योजनाओं से लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे शाजापुर सहित अनेक जिलों के किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शाजापुर जिले के प्रत्येक गांव तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब सिंचाई के लिए रात में खेतों पर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार चरणबद्ध तरीके से किसानों को दिन के समय ही सिंचाई के लिये विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसानों को अब खरीफ और रबी फसल के लिए अलग-अलग ऋण लेने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें पूरे वर्ष के लिए एक ही फसल ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे किसानों को आर्थिक सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार कृषि लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उद्योगों में बड़े निवेश के साथ युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं।

प्रयोग वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचनात्मक के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विकास कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार किसान, महिला, युवा और गरीब सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में शाजापुर जिला प्रगति की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि शाजापुर जिला मेडिकल शिक्षा, आयुर्वेदिक और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा का हब बनने जा रहा है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि शाजापुर में मेडिकल कॉलेज व शुजालपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज की सौगात तथा कई सांदीपनि विद्यालय शाजापुर जिले में बनाए जा रहे हैं, इससे शाजापुर जिले के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। क्षेत्रीय सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को शाजापुर लोकसभा क्षेत्र में किये जा रहे नए-नए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी एवं डॉ. रवि पांडे ने भी सभा को संबोधित किया।

रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अभिवादन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को कालापीपल में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया। नगरवासियों ने उनका जगह-जगह ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग पर नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। रोड शो नायरा पेट्रोल पंप से प्रारंभ होकर सभा स्थल तक पहुंचा। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा आमजन ने जगह-जगह स्वागत मंच बनाकर मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट, पुष्प हार एवं पारम्परिक साफा बांधकर हार्दिक अभिनन्दन किया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और जयघोष के बीच मुख्यमंत्री का नागरिकों ने गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

एनीमिया के प्रभावी नियंत्रण के लिए यूनीसेफ के साथ मिलकर करेंगे कार्य: उप मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से वल्लभ भवन में यूनीसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि (कार्यक्रम)जैस्पर मिलर, यूनीसेफ इंडिया की चीफ फील्ड सर्विसेज सुश्री सोलेदाद हेरेरो, यूनीसेफ मध्यप्रदेश के प्रमुख विलियम हैनलोन और मध्यप्रदेश के कम्यूनिकेशन स्पेशलिस्ट अनिल गुलाटी उपस्थित रहे। बैठक में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी, एनीमिया नियंत्रण, कुपोषण, बाल विवाह की रोकथाम तथा उच्च जोखिम गर्भावस्था के प्रभावी प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने तथा एनीमिया की चुनौती से निपटने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। राज्य सरकार जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती कर मानव संसाधन की कमी दूर करने की दिशा में कार्य कर रही है। हीमोग्लोबिन जांच की सुविधा सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने इस कार्ययोजना के निर्माण में यूनीसेफ से तकनीकी सहयोग का आग्रह किया।

जागरुकता अभियान चलाने की आवश्यकता

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यूनीसेफ राज्य के मास्टर ट्रेनर्स की क्षमता निर्माण में सहयोग कर सकता है, ताकि वे जिलों में प्रशिक्षण देकर उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय पर पहचान, सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु देखभाल को मजबूत कर सकें। उन्होंने पंचायतों के सहयोग से राज्य स्तरीय जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने यूनीसेफ से ऐसे सरल एवं प्रभावी मुख्य संदेश उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिन्हें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और विभागीय समन्वय से एनीमिया, शिशु एवं मातृ मृत्यु तथा बाल विवाह जैसी चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि (कार्यक्रम)मिलर ने शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस दिशा में राज्य द्वारा लागू किए जा रहे 'सुमन रोडमैप' की प्रशंसा की।

खाकी की सेवा को मिला सलाम

समाज सेवा पुलिस प्राइड अवॉर्ड्स 2026, भोपाल में एसडीओपी सचि पाठक सहित समाजसेवियों का हुआ सम्मान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आनादि न्यूज़ टीवी चैनल द्वारा आयोजित समाज सेवा पुलिस प्राइड अवॉर्ड्स 2026 -खाकी का सम्मान, सेवा का अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस विभाग के उत्कृष्ट अधिकारियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मऊगंज जिले की एसडीओपी सचि पाठक को उत्कृष्ट पुलिस सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने पर मऊगंज जिले में खुशी का माहौल देखा गया और विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिकों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ समाजसेवियों को भी समाज हित, जनकल्याण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य उन लोगों के कार्यों को पहचान देना था जो समाज और राष्ट्र की सेवा में निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन पुलिस अधिकारियों और समाजसेवियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है जो अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, साहस और समर्पण के साथ करते हैं। पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करने की दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह सम्मान समारोह पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस मंच के माध्यम से पुलिस, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित कर उनके योगदान को नई पहचान दी जाती है।

दो माह से अंधेरे में जीने को मजबूर कमता गांव के रहवासी

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत मुराछ के कमता गांव में पिछले दो माह से ट्रांसफार्मर नहीं होने के कारण पूरा गांव बिजली संकट से जूझ रहा है। बारिश के मौसम में ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। वहीं पेयजल की समस्या भी गहरा गई है। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हटा पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और गांव में तत्काल नए ट्रांसफार्मर स्थापित कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो माह पहले गांव के दोनों ट्रांसफार्मर जल गए थे। शिकायत के बाद हिनौता विद्युत उपकेंद्र के अधिकारियों ने जले हुए ट्रांसफार्मर तो हटा लिए लेकिन आज तक उनकी जगह नए ट्रांसफार्मर नहीं लगाए गए। कई बार अधिकारियों से आग्रह करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।ग्रामीण प्रदीप मिश्रा ने बताया कि बिजली नहीं होने के कारण मजबूरी में कुछ समय तक खेत के ट्रांसफार्मर से गांव में बिजली की व्यवस्था की गई थी, लेकिन लगभग एक सप्ताह पहले खेत मालिक के बेटे को करंट लगने की घटना के बाद सुरक्षा की दृष्टि से वह कनेक्शन भी हटा दिया गया। इसके बाद पूरा गांव फिर अंधेरे में डूब गया। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में रात के समय अंधेरा होने से विषैले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ गया है। बिजली नहीं होने से बोरवेल बंद पड़े हैं जिससे पेयजल संकट भी गहरा गया है। कई परिवार बारिश का पानी पीने को मजबूर हैं।

जिले में 278 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 278 मिमी अर्थात 10.9 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है जो अभी तक गत वर्ष से 145.1 मिमी कम है।

पौधारोपण कार्यक्रम की तैयारियों का पंचायत मंत्री ने लिया जायजा

दमोह (स्वतंत्र मत)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत बटियागढ़ विकासखंड स्थित प्रसिद्ध जरारूधाम गौ अभ्यारण का भ्रमण कर 17 जुलाई को प्रस्तावित वृहद पौधारोपण अभियान की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के जंगल, पेड़-पौधों एवं पूर्व में किए गए पौधारोपण कार्य का अवलोकन किया। मंत्री पटेल ने कहा कि जरारूधाम में प्रतिवर्ष पौधारोपण किया जाता है। उन्होंने कहा पिछले वर्ष दादा गुरुजी महाराज के निराहार के 1750 दिन पूर्ण होने के अवसर पर 1750 फलदार पौधे लगाए गए थे। इस वर्ष उनके निराहार के 2100 दिन पूर्ण होने पर 17 जुलाई को 2100 पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दादा गुरुजी महाराज 16 जुलाई की रात्रि में जरारूधाम गौ अभ्यारण में प्रवास करेंगे तथा 17 जुलाई को उनके सान्निध्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा।

पुलिस ने स्कूल बसों की सघन चैकिंग

दमोह (स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के पालन में जिले में 8 जुलाई से 17 जुलाई तक संचालित किए जा रहे 10 दिवसीय स्कूल बस स्पेशल चेकिंग अभियान के अंतर्गत दमोह पुलिस द्वारा स्कूल बसों की सघन जांच की गई। इस अभियान के दौरान पुलिस एवं यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न विद्यालयों की स्कूल बसों का तकनीकी, यांत्रिक एवं सुरक्षा मानकों के आधार पर निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान वाहन दस्तावेज फिटनेस परमिट बीमा पीयूसी अग्निशमन यंत्र फर्स्ट एड बॉक्स इमरजेंसी एग्जिट स्पीड गवर्नर जीपीएस सीसीटीवी सीट क्षमता, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस पुलिस सत्यापन सहित अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 3 स्कूल बसों में मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही की गई।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान का हुआ सफल समापन

पुलिस ने जिले भर में चलाया व्यापक साइबर जनजागरूकता अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में जिलेभर में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान जिले भर में साइबर जागरूकता रैलियां मैराथन नुक्कड़ सभाएं विद्यालय एवं महाविद्यालयों में संवाद कार्यक्रम व्यापारी वर्ग महिला समूहों छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण नागरिकों के साथ जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। साथ ही सोशल मीडिया, पोस्टर, बैनर, पंपलेट एवं अन्य माध्यमों से भी लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर
क्रमांक- का.से./ 2026-27/ 225 दिनांक- 09/06/2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संभाग क्रमांक 02 वार्ड क्रमांक- 19 (कमला नेहरू नगर वार्ड) अंतर्गत मौजा/ ग्राम कछ्पुरा नं.बं. 501 प.ह.नं. 4 नया (पुराना 25/31) खसरा नं. 116/2, 116/3, 244/1, 244/3 (शामिल खसरा 244/3- 0.154 (शामिल खसरा- 248/1क- 0.020= 0.174)), 245, 247 एवं 248/2 कुल रकबा 1.121 हेक्टेयर (11210.00 वर्गमीटर) में से 9370.82 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (RADHA KADAMB RESIDENCY) की अनुमति हेतु मेसर्स आर.जी. ग्रुप द्वारा पार्टनर्स श्री रीतेश अग्रवाल पिता श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल एवं श्रीमति पारुल अग्रवाल पति श्री रीतेश अग्रवाल पता- 11, पारस कालोनी, चैरीताल वार्ड, जबलपुर, म.प्र. विकासकर्ता/ कालोनाईजर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरूद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है बंधक सम्पत्ति का विवरण -भूखंड क्रमांक 5, 6, 7, 18, 19 एवं 55 कुल 06 नग कुल क्षेत्रफल 576.35 वर्गमीटर अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र एवं बंधक मुक्ति करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक -5 में किया जा सकता है।

प्रभारी कालोनी सेल
नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 09/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आराधना श्रीवास पति राधाकृष्ण श्रीवास ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक ख.नं. 61/88 मौजा पिपरिया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004606807 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 872 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीराम इंटरप्राइजेज श्री दीपक साहू का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 09/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमित कुमार दुबे पिता शिवकांत दुबे ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक ख. नं. 61/88 मौजा पिपरिया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004606807 से नया पिन पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 800 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राम इंटरप्राइजेज श्री दीपक साहू का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -03 रामपुर (शक्ति भवन रोड), नगर पालिक निगम, जबलपुर
पत्रांक / सं.क्र.03/एम/2026-27/156
जबलपुर, दिनांक 09/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गिरजा देवी अग्रवाल पति श्री कैलाश अग्रवाल (संपत्ति पिन नं. 1003016406) ने भवन क्रमांक फ्लैट नं. 105 वार्ड ग्वारीघाट प्रथम तल 893 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्र. फ्लेट नं. 105 वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) अनमोल बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय, संभाग क्र. 03 शक्ति भवन रोड रामपुर नगर निगम जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03 रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक 468 श्रीमति दीपा सिंघई पति श्री पुनीत सिंघई एवं श्री पुनीत कुमार सिंघई पिता स्व. श्री पवन सिंघई के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 02.11.2022 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमति दीपा सिंघई पति श्री पुनीत सिंघई एवं श्री पुनीत कुमार सिंघई पिता स्व. श्री पवन सिंघई ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 19.06.2026 के माध्यम से श्रीमति प्रिया जैन पति श्री पुखराज नायक को विक्रय किया है। अतः श्रीमति प्रिया जैन पति श्री पुखराज नायक द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक 60 श्री गनेश प्रसाद साहू पिता गोकल प्रसाद साहू के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27.04.1993 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री गनेश प्रसाद साहू पिता गोकल प्रसाद साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23.11.2006 के माध्यम से श्रीमति प्रज्ञा जैन पति श्री देवेन्द्र कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमति प्रज्ञा जैन पति श्री देवेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक Jr. LIG-184 श्री दिलीप कुमार पटेल पिता स्व. श्री निरंजन पटेल के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.03.2022 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री दिलीप कुमार पटेल पिता स्व. श्री निरंजन पटेल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.06.2026 के माध्यम से श्रीमती पल्लवी जैन पति श्री सनत कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमती पल्लवी जैन पति श्री सनत कुमार जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा छावनी परिषद्/केन्ट बोर्ड जबलपुर के अंतर्गत स्थित परमानेंट लीज प्लाट नंबर जी.एल.आर नया सर्वे नंबर 143-136 कैंट एरिया के अन्य समस्त क्षेत्र गली नंबर 7 तहसील रांझी व जिला जबलपुर स्थित मकान नंबर 264 का कुल विकय अनुबंधित प्लाट रकवा 530 वर्गफुट (49.25 वर्गमीटर) जिस पर दुकान व दो मंजिला मकान का निर्माण है, उक्त दुकान व दो मंजिला मकान को विक्रय करने का अनुबंध विक्रेता श्री मजीद अहमद खान, पिता स्व. श्री मंजूर अहमद खान निवासी मकान नंबर 264, गली नंबर 07, सदर केन्ट, जबलपुर। वालों से किया गया है जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन होना शेष है। अतः जिस किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय बैंक, वित्तीय संस्थाए, महाजन इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशित दिनांक से 07 दिवस के अंदर मय दस्तावेज साक्ष्य के साथ आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात् मेरा पक्षकार संपत्ति का रजिस्ट्री बैनामा अपने पक्ष में करवा लेवेगा तथा तत्पश्चात की गई आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

जबलपुर, दिनांक 9/7/2026

भवदीय
कृष्णा एस.एडवोकेट
म.प्र. उच्चन्यायलय जबलपुर
मो. 9826522208

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा आवासीय उपयोग का मकान छावनी परिषद्/केन्ट बोर्ड जबलपुर के अंतर्गत स्थित परमानेंट लीज प्लाट नंबर जी.एल. आर नया सर्वे नंबर 143-239 कैंट एरिया के अन्य समस्त क्षेत्र गली नंबर 10 तहसील रांझी व जिला जबलपुर स्थित मकान नंबर 469 का कुल विक्रय अनुबंधित रकवा 502 वर्गफुट (46.65 वर्गमीटर) जिस पर मकान का निर्माण है, उक्त मकान को विक्रय करने का अनुबंध विक्रेता श्री जियाउद्दीन पिता श्री शमशुद्दीन निवासी गली नंबर 10, सदर केन्ट जबलपुर। वालों से किया गया है जिसके विकय पत्र का पंजीयन होना शेष है। अतः जिस किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय बैंक, वित्तीय संस्थाएं, महाजन इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशित दिनांक से 7 दिवस के अंदर मय दस्तावेज साक्ष्य के साथ आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात् मेरा पक्षकार संपत्ति का रजिस्ट्री बैनामा अपने पक्ष में करवा लेवेगा तथा तत्पश्चात की गई आपत्ति मान्य नही की जायेगी।

जबलपुर, दिनांक 9/7/2026

भवदीय
कृष्णा एस.एडवोकेट
म.प्र. उच्चन्यायलय जबलपुर
मो. 9826522208

▶▶ बारिश में खतरा देखते हुए लिया एक्शन

जर्जर भवन को नगर निगम ने किया जमींदोज

जबलपुर। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित खतरनाक व जर्जर भवनों को हटाने की एक प्रभावी संयुक्त कार्यवाही की। इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड के अंतर्गत पिसनहारी की मढ़िया क्षेत्र में स्थित एक अत्यंत जर्जर भवन को हटाने के लिए निगम की टीम मौके पर पहुंची। जिसे तीन दिवस का समय दिया गया। इसी कड़ी में रविन्द्र नगर अधारताल क्षेत्र में भी एक अन्य खतरनाक व जर्जर मकान को जमींदोज करने की कार्यवाही की गई।

▶▶ झंडा यात्रा का जगह-जगह हो रहा स्वागत

मैहर शारदा धाम जा रहे सांसद विवेक बंटी साहू

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। छिंदवाड़ा से मां शारदा धाम मैहर के लिए निकली झंडा यात्रा में सांसद विवेक बंटी साहू के सिहोरा आगमन में पहरेवा जनपद सदस्य नीरज पांडेय के नेतृत्व में गुरुवार को भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सभी ने सांसद विवेक बंटी साहू को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री, रमेश तिवारी, नीलू वाजपेयी, सुंदर गुप्ता,अमन तिवारी, दीपक तिवारी, अभिषेक पांडेय, हर्ष, भोला, अंशुल अमन सेन आदि उपस्थित रहे।

मप्र हाईकोर्ट की सख्ती के बाद महिला जज को धमकी देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गोवंश तस्करी और मॉब लिंचिंग से जुड़ा मामला, फैसला सुनाने पर मिली थी धमकियां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सिवनी मालवा की महिला अतिरिक्त न्यायाधीश तबस्सुम खान को धमकी देने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इन आरोपियों ने इंटरनेट के माध्यम से जज को जान से मारने की धमकी दी थी। यह कार्यवाही न्यायिक अधिकारियों और न्यायालय परिसर की सुरक्षा से संबंधित हाईकोर्ट की स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान हुई।

सजा सुनाने के बाद मिल रही थी धमकियां

जानकारी के अनुसार न्यायाधीश तबस्सुम खान को गोवंश तस्करी और मॉब

लिंचिंग के एक संवेदनशील मामले में 14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के बाद से धमकियां मिल रही थीं। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने न्यायाधीशों की सुरक्षा और भयमुक्त न्यायिक माहौल को प्राथमिकता बताते हुए इस मामले को गंभीरता से लिया था। पिछली सुनवाई में पीठ ने कहा था कि न्यायिक अधिकारियों के लिए डर का माहौल बनाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त मुख्य सचिव को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए गए थे।

बढ़ाई गई न्यायाधीश की सुरक्षा

गुरुवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दोनों उच्च अधिकारियों का व्यक्तिगत हलफनामा अदालत में प्रस्तुत किया। सरकार ने पीठ को बताया कि धमकी देने वाले दोनों मुख्य अभियुक्तों के खिलाफ एएफआइआर दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। साथ ही नर्मदापुरम पुलिस प्रशासन ने संबंधित महिला न्यायाधीश की सुरक्षा भी बढ़ा दी है, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपने न्यायिक कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। हलफनामे के साथ, सरकार ने प्रदेश के अन्य जिलों में न्यायाधीशों के साथ हुई सुरक्षा चूक की घटनाओं की स्टेटस रिपोर्ट भी सौंपी। रिपोर्ट में दतिया में जज के साथ हुई अभद्रता के मामले में आरोपियों के खिलाफ चालान पेश करने की जानकारी दी गई।

इधर कटनी और बैतूल की घटनाओं में भी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही जारी है। मप्र हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि न्यायाधीशों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सामाजिक बहिष्कार पर हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने छतरपुर जिले के बड़ामलहरा में कथित सामाजिक बहिष्कार के मामले को गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट ने पुलिस प्रशासन को नोटिस जारी कर याचिकाकर्ताओं की शिकायत पर अब तक की गई कार्यवाही का ब्यौरा तलब किया है। अधिवक्ता ने कहा कि समाज से बहिष्कृत करने का फरमान जारी कर दिया याचिकाकर्ताओं किशोरीलाल प्रजापति एवं अन्य की ओर से अधिवक्ता रत्न भारत तिवारी ने पक्ष रखते हुए बताया कि दहेज प्रथा, अंतरजातीय विवाह के विरोध तथा विधवा विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने पर बर्दिया समाज (प्रजापति समाज), जो एक अपंजीकृत संस्था है, ने उन्हें समाज से बहिष्कृत करने का फरमान जारी कर दिया।

रूपरेखा हुई तैयार, भ्रष्टाचार के विरुद्ध कांग्रेस बुलंद करेगी आवाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे क्या बोलती पब्लिक अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस के पार्षद उपस्थित रहे।

बैठक में नगर निगम की वर्तमान कार्यप्रणाली, शहर की मूलभूत समस्याओं, विकास कार्यों में आ रही बाधाओं तथा नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए बताया कि नगर निगम में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से कांग्रेस पार्षदों ने नगर निगम द्वारा पार्षद मद (पार्षद निधि) बंद किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। पार्षदों ने कहा कि पार्षद मद बंद होने से वार्डों में छोटे-छोटे आवश्यक विकास कार्य भी नहीं हो पा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्षदों ने इसे जनहित के विरुद्ध बताते हुए शीघ्र पुन: प्रारंभ करने की मांग की।

क्या बोलती पब्लिक अभियान के तहत कांग्रेस पार्षद दल की बैठक संपन्न

वार्डों में जाकर सुनी जाएगी नागरिकों की समस्याएं

बैठक को संबोधित करते हुए शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करेगी। क्या बोलती पब्लिक अभियान के माध्यम से प्रत्येक वार्ड में जाकर नागरिकों की समस्याएं सुनी जाएंगी और नगर निगम की जनविरोधी नीतियों एवं भ्रष्टाचार को जनता के सामने उजागर किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 16 जुलाई को नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार, विकास कार्यों में अनियमितताओं, पार्षद मद बंद किए जाने तथा जनता की समस्याओं की लगातार हो रही उपेक्षा के विरोध में कांग्रेस पार्टी जोरदार आंदोलन करेगी। इस आंदोलन के माध्यम से नगर निगम प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने और शहरवासियों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी आवाज बुलंद की जाएगी। बैठक में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पार्षद अयोध्या तिवारी, संतोष दुबे, अमर रजक आदि उपस्थित रहे।

प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन के विक्रय पर नगर निगम ने की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार संभाग क्रमांक 15 और संभाग क्रमांक 16 के संयुक्त दल द्वारा कटंगी बायपास क्षेत्र एवं संभाग क्रमांक 10 में कार्रवाई की गयी। यहां व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान नियमों का उल्लंघन कर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का उपयोग करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। इस संयुक्त कार्रवाई में निगम की स्वच्छता टीम ने पूरी सजगता दिखाई। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने न सिर्फ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया, बल्कि उन्हें डस्टबिन का उपयोग करने और कचरा सड़कों पर न फेंकने की समझाइश भी दी। 15 चालान काटे गए और 8,200 का अर्थदंड वसूला गया। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम प्रशासन ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें और जबलपुर को नंबर-1 बनाने में अपना सहयोग दें तथा प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का उपयोग न करें।

पमरे के राजस्व में हुई वृद्धि

जबलपुर। पमरे ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में गैर-किराया और विविध राजस्व मदों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन और जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलों के बेहतर प्रबंधन के बल पर रेलवे ने 'अदर कोचिंग' और 'संड्री' आय के माध्यम से कुल 126.36 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। ग्राहक-केंद्रित सेवाओं और कुशल परिचालन के कारण अर्जित यह राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के विस्तृत आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम मध्य रेल ने 'अदर कोचिंग' मद से 50.58 करोड़ कमाए, जो गत वर्ष की समान अवधि के 47.90 करोड़ से 5.59 अधिक है।

खराब पड़ गया दमकल वाहन, बाल्टी से बुझानी पड़ी आग

नागरिकों की सूझबूझ से टली घटना

फायर विभाग पर लापरवाही के आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में बनी एक साइकिल की दुकान में गुरूवार को अचानक आग लग गई। भयानक आग की ऊंची लपटें उठने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इधर स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण आग बुझाने में असमर्थ रही। जिसके बाद दमकलकर्मी बाल्टी से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास करते दिखे। यह स्थिति देखकर मौके पर मौजूद नागरिकों ने स्वयं मोर्चा संभाला और आग को पूरी तरह बुझाया।

नियमित जांच कराने की मांग

इस घटना के बाद नगर निगम के फायर विभाग की एक लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि दमकल वाहनों को स्टेशन से रवाना करने से पहले उनकी तकनीकी जांच नहीं की जाती। खराब और अनुपयोगी गाड़ियों को आपात स्थिति में भेजने से जनता की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। ऐसी लापरवाही भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। स्थानीय नागरिकों ने आग बुझाने में अपने एकजुट प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मांग की है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। वहीं सहायक फायर अधीक्षक द्वारा बताया गया कि दमकल विभाग आग बुझाने में कामयाब रहा है। जो टीम स्थल पर पहुंची थी उन्होंने पूरी तरह आग पर काबू पाया है।

राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के लिए जमीनी सुझाव महत्वपूर्ण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के तहत गठित राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका उद्देश्य पंचायतों एवं नगरीय निकायों को वित्तीय संसाधनों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आयोग अगले पांच वर्षों के लिए अपनी अनुशंसाएं तैयार कर रहा हैए जिनके आधार पर राज्य की संचित निधि से स्थानीय निकायों को दिए जाने वाले अनुदान का निर्धारण किया जाएगा। अध्यक्ष श्री पवैया ने गुरुवार को जबलपुर कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से जिलों की वित्तीय स्थितिए अनुदान राशि के उपयोग, स्व राजस्व वृद्धि के प्रयासों तथा स्थानीय स्तर पर किए गए नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। श्री पवैया ने अधिकारियों से कहा कि वे केवल प्रस्तुतिकरण तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे सफल मॉडल भी साझा करें, जिनसे स्थानीय निकायों ने स्वयं आय अर्जित की हो।

जबलपुर पहुंचे आयोग के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने की भेंट

सभी ने प्रस्तुत किए अपने सुझाव

राज्य वित्त आयोग की बैठक में संभागायुक्त धनंजय सिंह सहित सभी जिलों के कलेक्टर, जिला मुख्यालयों के नगर निगम के आयुक्तध एवं नगर पालिका परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और जिला पंचायत के सीईओ ने स्थानीय निकायों की आय बढ़ानेए वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने और आधारभूत विकास कार्यों को गति देने के लिए अपने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बैठक में बताया कि जिले की पंचायतों का राजस्व संग्रह लगातार बढ़ रहा है। पंचायत लेखा पोर्टल के माध्यम से 40 हजार से अधिक हितधारकों से संपर्क कर आयकर वसूली की गई। जल जीवन मिशन के अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 143 ग्राम पंचायतों में योजनाओं के हस्तांतरण की प्रक्रिया जारी है। नगर निगम के आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अपना प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में निगम की आय 670 करोड़ और व्यय 732 करोड़ रुपये रहा। संपत्ति कर संग्रहण में लक्ष्य का 129 प्रतिशत हासिल कर करीब 113 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया। निगम ने पीपीपी मॉडलए रानीताल गार्डन क्षेत्र का पुनर्विकास और स्टाम्प ड्यूटी में स्थानीय निकायों की हिस्सेदारी बढ़ाने जैसे सुझाव आयोग के समक्ष रखे।

जनप्रतिनिधियों से मिले अध्यक्ष

छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने गुरुवार को सर्किट हाउस में जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्थानीय निकायों की आय बढ़ानेए वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। बैठक में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन आदि उपस्थित रहे।

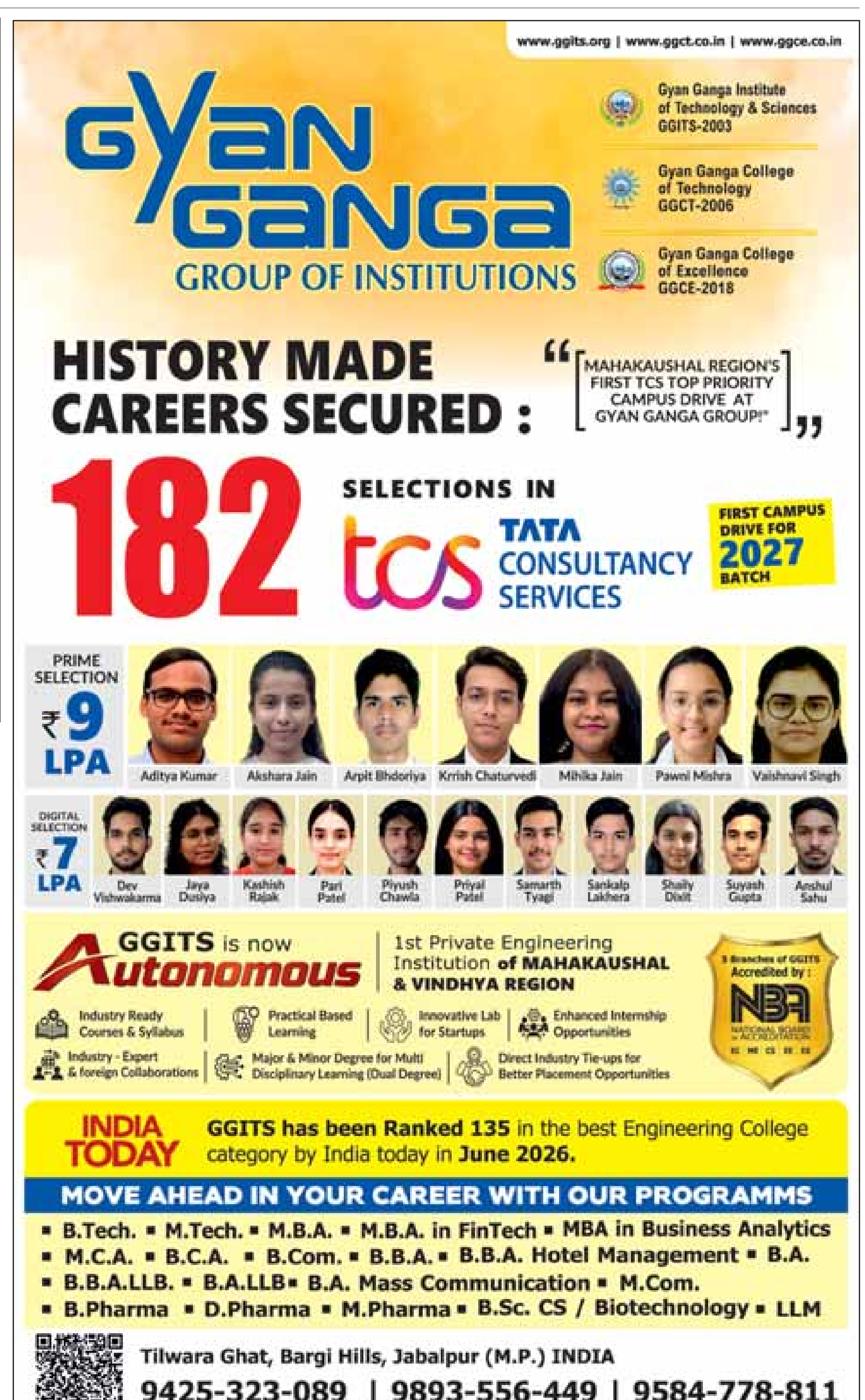

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**